सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 300 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 13 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

15 अगस्त पर राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ का जलवा, धमतरी का दल देगा गुट्टा मांदर नृत्य की प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी लोककला, संस्कृति और परंपराओं के लिए यह गौरव का क्षण है। 15 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में धमतरी जिले के नगरी विकासखंड की पारंपरिक लोककला की अनूठी छटा देखने को मिलेगी। ग्राम सरईटोला का सुप्रसिद्ध जय गढ़िया बाबा आदिवासी लोक मांदरी नृत्य दल राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक गुट्टा मांदर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति देगा।

यह अवसर केवल धमतरी जिले के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। ग्रामीण अंचल के कलाकारों को देश के ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मंच पर अपनी कला प्रस्तुत करने का अवसर मिलना प्रदेश की लोक परंपराओं और आदिवासी संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सरईटोला का यह लोकनृत्य दल अपनी विशिष्ट गढ़वा नृत्य शैली, गुट्टा मांदर की ऊर्जावान प्रस्तुति, पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों के लिए जाना जाता है।

नागपुर के सांस्कृतिक भवन ने किया दल का चयन

दल के सचिव रूपराय नेताम ने बताया कि सांस्कृतिक भवन, नागपुर ने दल की उत्कृष्ट प्रस्तुति और पारंपरिक कला की विशिष्टता को देखते हुए राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए इसका चयन किया है। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान में छत्तीसगढ़ की लोककला प्रस्तुत करना दल के लिए बेहद गौरवपूर्ण अवसर है।

सरईटोला के कलाकार करेंगे छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

राष्ट्रपति भवन में प्रस्तुति देने सरईटोला के रतनलाल निषाद, सुरेंद्र सोरी, हेमंत सोरी, कु. सुलोचना सोरी और कु. मधु नेताम नई दिल्ली रवाना होंगे। राष्ट्रीय राजधानी के प्रतिष्ठित मंच तक पहुंचने वाले इन कलाकारों की उपलब्धि यह संदेश देती है कि छत्तीसगढ़ की लोककला और जनजातीय संस्कृति आज भी देश की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध कर रही है।

पुलिस कस्टडी में मौत, बिलासपुर में 2 साल बाद एफआईआर, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

शीर्ष आदालत ने सीबीआई को सौंपा जांच का जिम्मा, पीड़ित परिवार को 25 लाख मुआवजा देने का निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में पुलिस हिरासत में हुई श्रवण सूर्यवंशी उर्फ सर्वन तामरे की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने इस मामले में एफआईआर में हुई देरी से लेकर जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपते हुए राज्य सरकार को मृतक की पत्नी और दो नाबालिग बेटियों को 25 लाख का अंतरिम मुआवजा देने का निर्देश दिया है। साथ ही जांच एजेंसी को मामले में नियमित आपराधिक प्रकरण दर्ज कर जांच तेज गति से पूरी करने को कहा है। जांच की प्रगति रिपोर्ट 13 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई में पेश करनी होगी।

बता दें बिलासपुर की सीपत थाना पुलिस ने 18 जनवरी 2024 को कच्ची महुआ शराब रखने के आरोप में श्रवण सूर्यवंशी को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत गिरफ्तार किया गया। 21 जनवरी को उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे बिलासपुर स्थित छ्ठ्ठस्न्ह्स अस्पताल ले जाया गया, जहां 22 जनवरी 2024 को उसकी मौत हो गई। सुप्रीम कोर्ट में दी गई जानकारी के मुताबिक इस मामले में एफआईआर 30 जुलाई 2026 को दर्ज की गई। इस देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

पत्नी व बेटी ने सुप्रीम कोर्ट में लगाई थी याचिका

यह मामला मृतक की पत्नी लहरा बाई तामरे और उनकी बेटियों संध्या तथा साक्षी की याचिका से सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। याचिकाकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के 3 अक्टूबर 2024 के फैसले को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने हिरासत में हुई मौत के मामले में परिवार को एक लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था। हालांकि स्नढ्ढक्र दर्ज करने और मौत के कारणों की विस्तृत जांच के संबंध में कोई निर्देश नहीं दिया गया था। अब इस मामले में जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए CBI को श्रवण की हिरासत में हुई मौत के कारणों की पड़ताल करने के निर्देश दिए। अदालत ने जांच की जिम्मेदारी वरिष्ठ अधिकारी को सौंपने को कहा है।

अधिकारी जिम्मेदार मिले तो उस पर भी हो कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि जांच में हिरासत के दौरान हिंसा के लिए कोई अधिकारी जिम्मेदार पाया जाता है तो उसके खिलाफकार्रवाई की जानी चाहिए। अदालत ने उन छत्तीसगढ़ के अधिकारियों की भूमिका की जांच के निर्देश भी दिए हैं, जिन पर न्यायिक जांच के निष्कर्ष सामने आने के बावजूद आवश्यक कार्रवाई नहीं करने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरे मामले की परिस्थितियों और तथ्यों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। मृतक के परिवार को राहत देते हुए अदालत ने 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजे के तौर पर देने का आदेश दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि यह अंतिम मुआवजा नहीं होगा। मामले में तथ्यों के आधार पर अंतिम राशि निर्धारित होगी।

राजनांदगांव में ईडी का एक्शन नाहटा समूह के ठिकानों पर रेड

भोपाल और रायपुर से पहुंचे अधिकारी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में गुरुवार तड़के एक साथ तीन ठिकानों पर छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने शहर से सटे परिसरों में यह जांच शुरू की,

जिसमें कारोबारी नाहटा ग्रुप से जुड़े प्रतिष्ठान भी मुख्य रूप से शामिल हैं।

भोपाल और रायपुर से आई संयुक्त ईडी की टीम गुरुवार सुबह करीब छह बजे राजनांदगांव पहुंची। इसके तुरंत बाद टीमों ने भंसाली किराना भंडार और सत्यम विहार स्थित नाहटा ग्रुप के ठिकानों सहित कुल तीन परिसरों में एक साथ दबिश दी। सुबह-सुबह हुई इस कार्रवाई से आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। फिलहाल तीनों स्थानों पर तलाशी और पूछताछ की कार्रवाई लगातार जारी है। ईडी के वरिष्ठ अधिकारी वित्तीय लेनदेन, आयकर रिटर्न और तमाम संदिग्ध दस्तावेजों के पुराने रिकार्ड खंगाल रहे हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रखने स्थानीय पुलिस बल तैनात किया गया है।

धमतरी ट्रिपल मर्डर केस में बड़ा फैसला

पांच दोषियों को उम्रकैद, फांसी की मांग पर परिजनों का हंगामा

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। नगर के चर्चित ट्रिपल मर्डर मामले में अदालत ने करीब एक साल बाद फैसला सुनाते हुए पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा दी है। फैसले के बाद मृतकों के परिजनों ने नाराजगी जताते हुए कोर्ट परिसर में विरोध किया और दोषियों को फांसी देने की मांग की। कोर्ट से बाहर निकलते समय मृतकों के घरवालों ने गुस्से में आरोपियों पर जूते-चप्पल और पत्थर फेंके।

धमतरी के बहुचर्चित ट्रिपल मर्डर मामले में अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए

अपर सत्र न्यायाधीश मोहन कोर्राम की अदालत ने गोपी दीवान (20), कुलेश्वर नेताम (25), रणवीर कुमार साहू (20), कमलेश ध्रुव (19) और गौतम दीवान (22) को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा एक आरोपी को आर्म्स एक्ट के तहत तीन साल की सजा दी गई। सभी आरोपियों को बलवा के मामले में दो साल और मारपीट के मामले में छह महीने की सजा भी दी गई।

परिवार ने की फांसी की मांग

कोर्ट के फैसले के बाद मृतकों के घरवाले काफी नाराज दिखे। परिवार वालों ने कहा कि उनके छोटे-छोटे बच्चे हैं, इसलिए आरोपियों को उम्रकैद नहीं बल्कि फांसी की सजा मिलनी चाहिए थी। परिजनों ने कहा कि वे कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ आगे अपील करेंगे।

बाबाधाम के यात्रियों को रेलवे की सौगात, दुर्ग- रायपुर से गुजरने वाली श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सावन के पवित्र महीने में झारखंड के देवघर स्थित प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले शिवभक्तों के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने राहत भरी सौगात दी है। यात्रियों की लगातार बढ़ती मांग और भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन के फेरों में विस्तार करने का

निर्णय लिया है। इस ट्रेन के फेरे बढ़ने से छत्तीसगढ़ के दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा और रायगढ़ जैसे प्रमुख शहरों लाभ मिलेगा।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 08895 इतवारीङ्कमधुपुर स्पेशल ट्रेन अपने निर्धारित दिनों के अलावा अब 18 और 25 अगस्त को भी अतिरिक्त फेरे लगाएगी। इसी तरह, वापसी की दिशा में गाड़ी संख्या 08896 मधुपुरङ्कइतवारी स्पेशल ट्रेन के संचालन में भी 19 और 26 अगस्त के दिन जोड़े गए हैं। इस प्रकार दोनों ही दिशाओं में यह स्पेशल ट्रेन अब कुल सात-सात फेरे पूरी करेगी, जिससे यात्रियों को कन्फर्म बर्थ मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

कोरबा में एकलव्य के छात्रों का हल्लाबोल: चार घंटे किया चक्काजाम

■ **एसडीएम के आश्वासन पर खत्म हुआ आंदोलन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छुरी स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के स्कूली बच्चों ने अपनी मांगों को लेकर गुरुवार को एक बार फिर आंदोलन किया। बड़ी संख्या में छात्र सुबह करीब 7 बजे पढ़ाई छोड़कर छुरी पंचायत के सामने कोरबा-कटघोरा मुख्य मार्ग पर बैठ गए और चक्का जाम कर दिया। करीब चार घंटे तक चले आंदोलन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की

लंबी कतार लग गई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में एसडीएम की ओर से लिखित शिकायत लेने और कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद छात्रों ने चक्का जाम समाप्त कर दिया।

छात्रों की मुख्य मांग स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. अरसद अहमद अली और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल हटाने की है। छात्रों का आरोप है कि प्रिंसिपल के खिलाफ कई गंभीर शिकायतें हैं। चक्का जाम की सूचना मिलने के बाद सहायक आयुक्त, अपर कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर और थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर छात्रों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने छात्रों को उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने चक्का जाम समाप्त कर दिया।

रेलवे की नई शुरूआत : बिलासपुर स्टेशन के बाहर अब किराये पर मिलेगी बाइक

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। रेलमंडल द्वारा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर बाइक रेंटल सुविधा शुरू कर दी गई है। यात्री अपनी जरूरत के अनुसार बाइक किराये पर लेकर कम समय और कम खर्च में स्थानीय यात्रा कर सकेंगे।

बिलासपुर रेल मंडल की इस नई पहल को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पहली बाइक रेंटल सेवा बताया गया है। स्टेशन परिसर में कोच रेस्टोरेंट के पास इसकी व्यवस्था की गई है। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक विजय कुमार ने बुधवार को फीता काटकर सेवा का शुभारंभ किया।

यात्रियों की सुविधा के लिए किराया समय के हिसाब से दर तय की गई है। 4 घंटे तक 100 रुपए, 4 से 8 घंटे 200 रुपए, 8 से 16 घंटे 300 रुपए और 16 से 24 घंटे: 400 रुपए सेवा का संचालन 24 घंटे और सप्ताह के सातों दिन किया जाएगा।

खास-खबर

अंकुश ने बनाया चावल के दाने पर भारत का नक्शा

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सुप्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ. अंकुश देवांगन ने चांवल के छोटे से दाने पर भारत के नक्शे की पेंटिंग बनाई है। जिसमें शान से लहराते तिरंगे के साथ नीचे इंडिया भी लिखा है। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से संदेश दिया है कि जननी जन्मभूमिश्च, स्वर्गादपी गरीयसी। अर्थात जिस धरा पर हमने जन्म लिया है वह स्वर्ग से भी सुंदर है? और हर वर्ग के लोगों को इससे प्रेम करना चाहिए। ज्ञात हो कि अंकुश ने सूक्ष्मकला बनाने की शुरुआत 1985 में मात्र 15 वर्ष की उम्र से की थी। ताकि बढ़ रहे माओवादी हिंसक विचारधाराओं को रोकने के लिए बच्चों में सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दे सकें।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में अगले 3 दिन कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर हिस्से में अगले 4 दिन कई जगह हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहने के आसार हैं। इस दौरान कुछ जगहों पर भारी बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की भी चेतावनी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि बिलासपुर जिले में कुछ जगह भारी बारिश दर्ज की गई। प्रदेश में 1 जून से अब तक मानसून की बारिश सामान्य से 8 प्रतिशत कम हुई है। पिछले 24 घंटे में रायपुर और दुर्ग में सबसे ज्यादा 33.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं पेंड्रा रोड में सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

मानसून सत्र के अंतिम दिन लोकसभा अनिश्चितकाल तक

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज आखिरी दिन है। लेकिन छात्र प्रदर्शन के मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध खत्म होता नहीं दिख रहा है। विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह की ओर से दिए गए लंबी चर्चा के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। ऐसे में राज्यसभा और लोकसभा दोनों में हंगामा और नारेबाजी होने की आशंका थी। हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक स्थगित कर दी गई।

फर्जी सर्पदंश मुआवजा घोटाले की जांच करेगी ईओडब्ल्यू

रायपुर। छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुण देव गौतम ने कहा कि सर्पदंश मुआवजा घोटाले की जांच विशेषज्ञ एजेंसी को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है और आर्थिक अनियमितताओं की जांच के लिए विशेषज्ञ एजेंसी को जांच सौंपने का प्रस्ताव भेजा गया है। उनके इस बयान के बाद अब इसकी जांच EOW को सौंपे जाने की संभावना है।

यूएन रिपोर्ट में खुलासा: लाल किले के पास कार धमाके के पीछे था अल-कायदा का नया संगठन

नईदिल्ली ए.। दिल्ली के लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए धमाके को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि इस हमले में भारतीय महाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) शामिल था। इस धमाके में 11 लोगों की जान गई थी।

यूएनएससी के विश्लेषणात्मक सहायता और प्रतिबंध निगरानी दल की यह 38वीं रिपोर्ट है। रिपोर्ट सोमवार को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि एक्यूआईएस अब एक बिखरा हुआ संगठन नहीं रहा। वह एक क्षेत्रीय आतंकी संगठन के तौर पर आगे बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्यूआईएस ने अपने काम के

लिए सामान पहुंचाने और पैसे से जुड़े नेटवर्क बनाए हैं। संगठन बड़े समूहों की जगह छोटे और अलग-अलग सेल के जरिये काम कर रहा है। रिपोर्ट में साफ तौर पर नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले के पास हुए हमले के लिए एक्यूआईएस को जिम्मेदार बताया गया है। इसमें यह भी चिंता जताई गई है कि एक्यूआईएस बांग्लादेश का इस्तेमाल वहां अपने आतंकी ठिकाने बनाने के लिए करने की कोशिश कर रहा है।

लाल किले के पास धमाके के लिए एक्यूआईएस का नाम सामने आना इसलिए भी अहम है, क्योंकि इससे पहले संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट में इस हमले के तार जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए बताए गए थे। यूएनएससी के निगरानी दल की 37वीं रिपोर्ट के मुताबिक, एक सदस्य देश ने कहा था कि जैश-ए-मोहम्मद ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली थी। इसी संगठन के बारे में यह भी बताया गया था कि उसका नवंबर 2025 के लाल किले के पास हमले से संबंध हो सकता है। यानी पिछली रिपोर्ट में जैश-ए-मोहम्मद का लिंक बताया गया था। अब नई रिपोर्ट में इस हमले को एक्यूआईएस से जोड़ा गया है।

संपादकीय

नशा विरोधी अभिनव पहल

शिक्षकों को निगरानी के लिये प्रशिक्षण

यह एक हकीकत है कि बच्चों को जितना अभिभावक और शिक्षक समझ सकते हैं, उतना दूसरा कोई नहीं। वे बच्चों के असामान्य व्यवहार की निगरानी करके उन्हें बुरी आदतों से बचा भी सकते हैं। शायद यही सोचकर पंजाब सरकार ने राज्य के 12 जिलों में 21,850 स्कूल टीचरों को छात्रों को नशीली दवाओं की लत से दूर रखने के लिये प्रशिक्षण देने का फैसला लिया है। ये शिक्षक प्रशिक्षण के बाद छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं और भावनात्मक परेशानी के शुरुआती लक्षणों की पहचान कर सकेंगे। निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। दरअसल, इस अभियान की सबसे बड़ी खूबी है कि यह नशा-विरोधी अभियान का फोकस नशे की लत लगने के बाद प्रतिक्रिया देने से हटाकर, उसे रोकने की ओर ले जाता है। निस्संदेह, शिक्षक एक अभिभावक जैसी भूमिका में होते हैं, जो बच्चे के व्यवहार, स्कूल में उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई के प्रदर्शन, दोस्ती या भावनात्मक स्थिति में बदलाव को बेहतर ढंग से महसूस कर सकते हैं। दरअसल, शिक्षक कक्षा में छात्र की चुप्पी और क्लास में होते हुए भी वहां न होने जैसे संवेदनशील बदलावों को भांप सकते हैं। लेकिन बच्चों की संवेदनशीलता को देखते हुए शिक्षकों को अनाड़ी जांचकर्ता या काउंसलर बनने से बचना होगा। निर्विवाद रूप से किसी बच्चे का क्लास में चुप-चुप रहना, नंबर कम आना या व्यवहार में बदलाव आना हमेशा नशे से जुड़े कारण से नहीं हो सकता। उससे जुड़े अन्य कारकों पर भी विचार किया जाना जरूरी होता है।

"निश्चय ही यह एक स्वागतयोग्य पहल है। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चों के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से उन्हें नशे की गिरफ्त में आने से पहले ही बचाया जा सकेगा। यह बेहतर स्थिति है कि नशे की लत का शिकार होने के बाद उपचार के बजाय उन्हें पहले ही नशे से दूर रहने को प्रेरित किया जाए। दरअसल, पंजाब सरकार के 'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान के तरह शुरू किया गया यह कार्यक्रम प्रिंसिपल और हेडमास्टरों की पिछली ट्रेनिंग तथा अमृतसर में 2,800 से ज्यादा टीचरों को शामिल करने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

दरअसल, इस जटिल समस्या के समाधान के लिये शिक्षकों को संवेदनशील व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। शिक्षकों को बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने, सुनने, बातचीत करने तथा छात्रों को योग्य पेशेवरों के पास भेजने के लिये प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। वास्तव में इस संवेदनशील समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि किसी बच्चे में नशे की ओर उन्मुख होने और उसकी जल्दी पहचान होने पर उसे जल्दी मदद मिल सके। पर ऐसा न हो कि शिक्षक उत्साह में उसकी पहचान उजागर कर दें और उसकी जल्दी बदनामी हो जाए। ऐसा बच्चा कुंठा व हताशा में गलत राह में भटक सकता है। ऐसे में इस अभियान का मानसिक स्वास्थ्य वाला हिस्सा विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। यह एक हकीकत है कि युवाओं में नशीले पदार्थों के गलत इस्तेमाल की समस्या को सिर्फ चेतावनी तथा नैतिक उपदेश देकर दूर नहीं किया जा सकता है। वास्तव में भावनात्मक परेशानी, पारिवारिक समस्याएं, दोस्तों का दबाव, अकेलापन और पढ़ाई का तनाव आदि सभी चीजें बच्चों को जोखिम में डाल सकती हैं। इसलिए स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही काउंसलिंग और रेफरल की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर सरकार को भी सिर्फ प्रशिक्षित किए गए शिक्षकों की संख्या के आधार पर सफलता को नहीं मापना चाहिए। दरअसल, उसे यह भी देखना चाहिए कि कितने कमजोर या जोखिम वाले छात्रों की पहचान की गई है। साथ ही उन्हें कहां भेजा गया है। क्या उनकी काउंसलिंग की गई है? क्या बाद में उनका फॉलो-अप किया गया है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शिक्षकों पर पढ़ाई के अलावा कई तरह के सरकारी कार्यक्रमों के लिये समय देने का दबाव होता है। ऐसे में सावधानी रखनी बेहद जरूरी है कि तमाम प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच ड्रग्स के खिलाफ प्रशिक्षण सिर्फ खानापूर्ति के लिये कागजी कार्रवाई बनकर न रह जाए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इस कार्यक्रम को क्लासरूम से आगे लेकर जाना चाहिए। जिसमें माता-पिता, काउंसलर, हेल्थ प्रोफेशनल और सामाजिक समूहों को एकजुट होकर जोखिम वाले बच्चों के लिये एक सपोर्ट नेटवर्क तैयार करना चाहिए।

पाठकों में फिर से रुचि जगाना : किताबों को फिर से बैठक कक्ष में जगह देना

अर्चना शर्मा अवस्थी
युवराज मलिक

भारत में शिक्षा पर चर्चा लंबे समय से 'पहुँच' पर केंद्रित रही है यानि स्कूलों तक, किताबों तक, डिजिटल संसाधनों तक पहुँच। ये चीजें बहुत जरूरी हैं, लेकिन जब हम भारतीय शिक्षा के एक नए चरण की दहलीज पर खड़े हैं, तो हमारे सामने एक और इतना ही जरूरी सवाल है:

क्या हम ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, जो पढ़ती है?

यह ऐसा सवाल है – जो सुनने में तो आसान लगता है, लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं – जिसने राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय (आरईपी) या राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय की शुरुआत की। इस प्लेटफॉर्म की परिकल्पना केवल एक डिजिटल संग्रहालय के रूप में नहीं, बल्कि घर, स्कूल और समुदाय के स्तर पर भारत की पढ़ने की संस्कृति को समृद्ध करने के जीवंत प्रयास के रूप में की गयी थी।

आज, आरईपी में 23 भाषाओं में 7,000 से ज्यादा चयनित किताबें मौजूद हैं, जो सैकड़ों प्रकाशकों के साथ साझेदारी में विकसित की गई हैं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विज़न के अनुरूप हैं। लेकिन इसका उद्देश्य कभी भी एक ऐसा संग्रह बनाना नहीं था, जो लगातार बढ़ता ही जाए। इसके पीछे एक सोच-समझकर अपनाया गया तरीका है: एक ऐसा संग्रह बनाए रखना, जो चयनित, प्रासंगिक और जीवंत हो जिसे लगातार अद्यतन किया जाता है, जिसमें महत्वपूर्ण किताबें जोड़ी जाती हैं और अप्रासंगिक किताबों को हटाया जाता है। पैमाना मायने रखता है, लेकिन प्रासंगिकता, गुणवत्ता और लगातार जुड़ाव अधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत के कई बच्चों के लिए खासकर ग्रामीण, अर्ध-शहरी और पिछड़े क्षेत्रों में पाठ्यपुस्तकों के अलावा अन्य किताबों तक पहुंच एक बड़ी चुनौती है। सबसे नज़दीकी किताब की दुकान कई किलोमीटर दूर हो सकती है। स्कूल के पुस्तकालय में या तो किताबें पुरानी होती हैं या स्कूल अवधि के बाद उपलब्ध नहीं होती हैं। इन बच्चों के पास कल्पना तो है, लेकिन पठन-सामग्री मौजूद नहीं है।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय इस कमी को पूरा करता है: एक बच्चा, चाहे वह कहीं भी रहता हो या उसके परिवार का आय स्तर कुछ भी हो, अब अपने घर में पहले से मौजूद उपकरण के जरिए हजारों किताबों के पुस्तकालय तक पहुँच सकता है। बच्चे कभी भी और कहीं भी इन किताबों को पढ़ सकते हैं। यह हिंदी और अंग्रेज़ी के अलावा अन्य भाषाओं में किताबों पढ़ने का भी अवसर देता है। लेकिन यह समझना भी उतना ही ज़रूरी है कि यह पहल असल में क्या नहीं है।

यह छोटे बच्चों को ज्यादा समय तक स्क्रीन के सामने बिठाने का प्रयास नहीं है। यह परिवारों के लिए एक आमंत्रण है कि वे अपने पास मौजूद उपकरणों का अधिक सार्थक उपयोग करें उस समय को साझा और समृद्ध अनुभव में बदलें, जो अन्यथा निष्क्रिय होकर, अकेले बैठकर या हानिकारक स्क्रॉलिंग या चीजें देखने में बीत जाता है।

माता-पिता का छोटे बच्चे को ज़ोर से पढ़कर सुनाना। बड़े भाई/बहन का कहानी सुनाना। परिवार का साथ बैठकर पढ़ने के लिए समय निकालना।

ऐसे समय में जब स्क्रीन अक्सर लोगों को एक-दूसरे से दूर करके अपने में ही उलझाए रखती है, किताबें जिन्हें इन्हीं उपकरणों के ज़रिए पढ़ा जा सकता है ङ्क लोगों को फिर से एक साथ लाने की ताकत रखती हैं।

पढ़ने को स्क्रीन टाइम नहीं, बल्कि पारिवारिक समय बनाना। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय का उद्देश्य प्लेटफॉर्म के आयामों से कहीं अधिक गहरा है: इसका मकसद पढ़ने की आदत को फिर से घर के बैठक कक्ष में लाना है।

पढ़ना सिर्फ एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं है। यह एक सामाजिक और भावनात्मक गतिविधि भी है। जब परिवार के सदस्य या दोस्त साथ में पढ़ते हैं, तो वे बातचीत, सहानुभूति और सोचने-समझने के लिए जगह बनाते हैं यह साथ मिलकर ध्यान देने का एक ऐसा गुण है, जो ऐप-सूचना और रोज़मर्रा की ज़रूरतों में बंटी ज़िंदगी में अब कम ही देखने को मिलता है। इस बारे में हुए अध्ययन लगातार बताते हैं कि जिन बच्चों को पढ़कर सुनाया जाता है और जो अपने आस-पास बड़ों को पढ़ते हुए देखते हैं, उनमें न सिर्फ़ पढ़ने-लिखने की बेहतर समझ विकसित होती है, बल्कि उनकी अंदरूनी दुनिया भी ज़्यादा समृद्ध होती है।

आरईपी अंतरपीढ़ी सहयोग की संभावनाएं भी खोलता है। युवा पाठक अपने दादा-दादी या नाना-नानी को पढ़कर सुना सकते हैं। किशोर अपने बड़ों की पसंदीदा कहानियों को पढ़ सकते हैं। ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है इसे 'मेरा समय' के साथ-साथ 'हमारा समय' भी कहा जा सकता है।

ऐसा करने पर, पढ़ना सिर्फ़ अकेले में किया जाने वाला या मजबूरी का काम नहीं रह जाता, बल्कि कुछ और ही बन जाता है इसे 'मेरा समय' के साथ-साथ 'हमारा समय' भी कहा जा सकता है।

एक समाज के रूप में, हमें अपने आप से एक आसान, लेकिन गहन सवाल पूछना चाहिए: क्या हम स्क्रीन के निष्क्रिय उपयोग का एक हिस्सा वापस ले सकते हैं और उसे उपयोगी पढ़ाई में बदल सकते हैं? हमारा मानना है कि जवाब हाँ है यदि हम किताबें उपलब्ध कराएं, उन्हें आकर्षक बनाएं और पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि अपनी पसंद का काम बनाएं।

राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, लेकिन शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और स्कूल के अग्रणी सिर्फ सीखने-सिखाने में मदद करने वाले नहीं होते, बल्कि वे संस्कृति को आकार देने वाले भी होते हैं। पढ़ने की जो आदतें बच्चे स्कूल में विकसित करते हैं, वे अक्सर जीवन भर उनके साथ रहती हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा सुझाई गई किताबें एक युवा व्यक्ति की सोच का दिशा बदल सकती हैं।

स्कूल जीवन में आरईपी के अर्थपूर्ण समावेश के लिए कई स्तरों पर सोच-समझकर कोशिशें करनी होंगी:-

1. पुस्तकालय-कक्षाओं को केवल निगरानी वाले अध्ययन कक्ष के बजाय, सक्रिय ज्ञान-प्राप्ति स्थान के रूप में पुनर्जीवित करना,
2. निर्देश के अनुसार पढ़ने और कहानी सुनाने वाले सत्रों को प्रोत्साहित करना, जहां शिक्षक अपनी पसंदीदा किताबें साझा करें
3. सहपाठियों के नेतृत्व में किताब पर चर्चा और पठन-समूह बनाना, जिससे पढ़ने की आदत पर छात्रों को अपना अधिकार महसूस हो
4. पढ़ाई को स्कूल जीवन की दैनिक दिनचर्या में शामिल करना, ताकि यह सुबह की सभा जितना ही स्वाभाविक लगे
5. विभिन्न लेखन विधियों को समझकर लेखन कौशल में सुधार करना।

एक जीवंत और विकसित होता पुस्तकालय

पारंपरिक पुस्तकालय अपने अलमारियों में स्थिर और भौतिक आयामों से बंधे होते हैं इसके विपरीत राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय को गतिशील बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह आपके हाथ में किताबों का खजाना है। यह पाठकों को यह व्यक्त करने भी मौका देता है कि कौन सी अन्य किताबें जोड़ी जानी चाहिए। उपलब्ध किताबें भारत की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में भी हैं, जिसे युवा पीढ़ी को जानना चाहिए।

इसका बहुभाषी आधार भी उतना ही अहम है। एक बच्चा उस भाषा में सबसे बेहतर और स्वाभाविक रूप से पढ़ता है, जिसमें वह सोचता है। 23 भाषाओं में किताबें पेश करके आगे और विस्तार करने की महत्वाकांक्षा के साथ – आरईपी भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करता है, इसे केवल एक प्रबंधनीय चुनौती के रूप में नहीं, बल्कि एक रचनात्मक ताकत के रूप में देखता है, जिसका जश्न मनाया जाना चाहिए। इस प्लेटफॉर्म पर मौजूद हर भाषा एक दरवाज़े की तरह है, जिससे गुज़रकर बच्चा एक नई दुनिया में कदम रख सकता है। 8 साल तक की उम्र के बच्चों के लिए, यह प्लेटफॉर्म माता-पिता और शिक्षकों को कहानियाँ ज़ोर-ज़ोर से पढ़कर सुनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अंततः, राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय की सफलता केवल डाउनलोड और पंजीकृत उपयोगकर्ताओं की संख्या से तय नहीं होगी, भले ही ये संकेत महत्वपूर्ण हैं। इसकी सफलता इस बात से तय होगी कि क्या पढ़ना फिर से एक आदत बन जाता है घरों में, स्कूलों में, भारत के विविध और अद्वितीय समुदायों के एकांत कोनों में। किसी दूर-दराज़ इलाके के बच्चे की आँखें तब चमक उठती हैं, जब वह ऐसी किताब पढ़ता है, जिसके बारे में उसने सिर्फ़ सुना होता है।

यह प्लेटफॉर्म 'राष्ट्रीय काव्य उत्सव' जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित करता रहता है और नागरिकों से कहानी सुनाने में योगदान देने का आह्वान भी करता है। राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय में और भी कई मज़ेदार और दिलचस्प गतिविधियाँ लगातार शामिल होती रहेंगी।

भारत हमेशा से कहानियों की सभ्यता रहा है। लिखित रूप से पहले की मौखिक परंपराओं से लेकर हिंदी, संस्कृत, तमिल, बंगाली, मराठी और अन्य कई भाषाओं के महान साहित्य तक, इस देश में कहानियों की कभी कमी नहीं रही। आज संकट कहानियों पर नहीं, बल्कि उन्हें खोजने की आदत पर है यानि शांति से बैठकर किसी वाक्य को समझने और किसी किताब को वह समय देने की इच्छाशक्ति, जिसकी वह मांग करती है। जब नागरिक पढ़ते हैं, तो देश आगे बढ़ता है।

(अर्चना शर्मा अवस्थी साक्षरता विभाग में अपर सचिव हैं। युवराज मलिक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के निदेशक हैं।)

समझौता संस्कृति में घुटती बेटियों की सांसें

डॉ. रितु सारस्वत

अनेक महिलाएं हिंसक वैवाहिक संबंधों में इसलिए बनी रहती हैं क्योंकि परिवार और समाज उनसे संबंध समाप्त करने के बजाय उसे हर परिस्थिति में बनाए रखने की अपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप सहायता की अपेक्षा लेकर की गई उनकी पहल भी अनेक बार इस सामाजिक आग्रह के आगे ठहर जाती है कि 'विवाह हर परिस्थिति में बनाए रखा जाए।'

हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 'दिनेश कुमार एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' तथा 'बिट्टा देवी एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' वाद में निर्णय देते हुए कहा 'दहेज उत्पीड़न की लगातार शिकायतों के बावजूद किसी विवाहित महिला को 'समझौता करने', 'समायोजन करने' अथवा 'विवाह बचाने' की सलाह देना कई बार उत्पीड़कों का मनोबल बढ़ा देती है और उसके परिणाम दुखद तथा घातक हो सकते हैं।' इतना ही नहीं, न्यायालय ने यह भी कहा कि किसी विवाहित बेटी द्वारा बार-बार की गई शिकायतों को सामान्य वैवाहिक असहमति नहीं, बल्कि 'सहायता, संरक्षण और समय पर हस्तक्षेप की वास्तविक पुकार' के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया कि 'परिवार का नैतिक और सामाजिक दायित्व है कि वह बेटी की बात पर विश्वास करे, उसका साथ दे तथा उसकी सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।' वस्तुतः न्यायालय की ये टिप्पणियां केवल एक आपराधिक वाद के निस्तारण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारतीय समाज की उस गहरी सामाजिक मानसिकता पर गंभीर प्रश्नचिह्न हैं, जहां अनेक बार बेटी को अपनी पीड़ा, अपमान और प्रताड़ना की अवहेलना करने और हर स्थिति में विवाह बनाए रखने के लिए विवश किया जाता है।

यह पहली बार नहीं है कि न्यायपालिका ने बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को लेकर चिंता व्यक्त की हो। इससे पूर्व वर्ष 2005 में 'इन री: एनफोर्समेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ऑफ दहेज प्रोहिबिशन एक्ट, 1961' वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था 'समाज की चेतना दहेज प्रथा जैसी बुराई के प्रति इस स्तर तक जाग्रत होनी चाहिए कि दहेज मांगना ही समाज में अपमान का कारण बन जाए। हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारी युवा और जागरूक महिलाएं इस सामाजिक बुराई का डटकर सामना करेंगी, जो उन्हें व्यापार की वस्तु बना देती है। हमें यह भी आशा है कि हमारे शिक्षित युवा स्वयं को विवाह के बाजार में बिकने से इंकार करेंगे और निष्पक्ष एवं सम्मानजनक आधार पर अपने जीवनसाथी का चयन करेंगे।' दुर्भाग्यवश, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह आशा व्यक्त किए जाने के 21 वर्ष बाद भी समाज की चेतना में अपेक्षित परिवर्तन परिलक्षित नहीं होता।

यक्ष प्रश्न यह है कि भारतीय समाज में ऐसी सामाजिक मानसिकता का निर्माण आखिर हुआ कैसे, जहां किसी विवाहित बेटी द्वारा बार-बार सहायता की गुहार लगाने के बाद भी उसे सबसे पहले 'समझौता' करने की सलाह दी जाती है? यदि अधिकांश मामलों में पीड़िता अपनी व्यथा पहले ही अपने परिवार के समक्ष व्यक्त कर चुकी होती है, तो फिर प्रत्येक त्रासदी के बाद यह प्रश्न क्यों उठता है कि उसने शिकायत क्यों नहीं की? वास्तविकता यह है कि अनेक बार उसकी पीड़ा को गंभीरता से लेने के बजाय सामान्य वैवाहिक विवाद मानकर टाल दिया जाता है। वस्तुतः समस्या कानून के अभाव की नहीं, बल्कि उस सामाजिक संस्कृति की है, जिसने वर्षों से 'समझौता कर लो' को सामाजिक मानक बना दिया है।

शहाना रसूल ने अपने शोधपत्र 'द इन्फ्लुएंस ऑफ सोशल कन्स्ट्रक्शन्स ऑफ फैमिली ऑन एब्यूज्ड विमेन्स हेल्प-सीकिंग आफ्टर डोमेस्टिक वायलेंस' में भी इसी सामाजिक प्रवृत्ति की ओर संकेत किया है। उनके अनुसार अनेक महिलाएं हिंसक वैवाहिक संबंधों में इसलिए बनी रहती हैं क्योंकि परिवार और समाज उनसे संबंध समाप्त करने के बजाय उसे हर परिस्थिति में बनाए रखने की अपेक्षा करते हैं।

परिणामस्वरूप सहायता की अपेक्षा लेकर की गई उनकी पहल भी अनेक बार इस सामाजिक आग्रह के आगे ठहर जाती है कि 'विवाह हर परिस्थिति में बनाए रखा जाए।' निश्चित रूप से कोई भी वैवाहिक जीवन समझौते, पारस्परिक सहयोग और संवेदनशीलता के बिना नहीं चल सकता। परंतु यह भी उतना ही आवश्यक है कि समाज समझौते और अत्याचार के बीच स्पष्ट सीमा-रेखा निर्धारित करना सीखे। दुर्भाग्यवश, हमारे समाज ने 'समझौता' शब्द की परिधि इतनी व्यापक कर दी है कि अनेक बार हिंसा और उत्पीड़न भी उसी के भीतर समाहित कर दिए जाते हैं।

हरेली के तिहार

वंदना चौधरी

छत्तीसगढ़ म हरेली के तिहार जोर-शोर ले मनाय जावत हे। समय बदलथे फेर परंपरा जीवित रहिथे। हरेली तिहार म हवाई झूला के दौर म घलो रहचुली झूला के परंपरा छत्तीसगढ़ के मनखे मन ला याद रहिथे जेकर ले वो मन अपन गाँव अंचल अउ पुरखा ले जुड़े रहिथें। हरेली के पावन मौके म मनखे मन रहचुली झूला म चढ़थें अउ याद करथें के मनोरंजन के तरीका बदले हवंय फेर मनोरंजन बदले नइये। ये मौका म मनखे मन रहचुली के आनंद लेथें। गेड़ी म चढ़के चलथें। सीसी रोड के पहिली के दिन म जब गाँव के सड़क मन मानसून म कीचड़ म बदल जाथें तब गेड़ी सबले सुरक्षित साधन होथे ताकि कीचड़ ले बच सकें। हरेली के मौके म बार-बार गेड़ी म चढ़के सावन मास के उत्साह ला दिखाए जाथे।

हरेली तिहार म का होथे ?

हरेली तिहार म किसान मन अपन खेती के उपकरण के पूजा करथें। पालतू जनावर मन के पूजा घलो करे जाथे। प्रदेश के किसान मन एला धूमधाम ले मनाथें। हरेली के मौका म बैल मन घलो सजथे अउ बैलगाड़ी घलो सज जथे। अपन पालतू जनावर मन के सम्मान बर, उनकर पूजा बर ए हा बड़े पर्व आय। खेती-किसानी के तैयारी के बीच धरती माता ला नमन करे के ए त्योहार आय।

हरेली त्योहार प्रकृति के प्रति आभार जताय के त्योहार ए। सावन महीना के कृष्ण पक्ष के अमावस्या ला हरेली मनाय जाथे। हरेली के मतलब हरियाली ए। बरसात के मौसम म धरती हरा चादर ओढ़ लेथे। चारों ओर के माहौल ह हरियर दिखने लगथे। हरेली पर्व तक खरीफ फसल अउ खेती-किसानी के काम लगभग पूरा हो जथे। छत्तीसगढ़ म हरेली हर जगह अपन अलग सुन्दरता अउ अलग-अगल तरीका ले मनाय जाथे। प्रदेश के हर कोना अपन सांस्कृतिक सुंदरता ला देखाके अपन पहिचान बनाथे।

गेड़ी दौड़ जइसे कई स्पर्धा होथे

ए त्योहार लेच राज के खेती-किसानी सुरु होथे। ए दिन किसान मन खेती-किसानी म इस्तेमाल करे जाये वाले जंत्र के पूजा करथें अउ घर म माटी पूजन होथे। गाँव म गेड़ी के बिना हरेली महोत्सव अधूरा रहिथे। हरेली के मौका म गाँव के खेल घलो यादगार होथे। गेड़ी दौड़ जइसे कई स्पर्धा होथे। परंपरागत छत्तीसगढ़िया खेल के जादू ए दिन उथल-पुथल म रहिथे। मुख्यमंत्री निवास म घलो पूरा तैयारी होए हवय। पिट्ठुल, भौरा जइसे खेल खास आकर्षण के केंद्र रहिहीं। संग म परंपरागत छत्तीसगढ़िया पकवान जइसे चीला, खुरमी, ठेठरी, अइरसा अनंद ले जाही। ए मौका म सबसे खास लोक संस्कृति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन होथे। राऊत नाचा, करमा नृत्य जइसे छत्तीसगढ़ के परंपरागत नृत्य होही। ए अवसर म विविध लोकगीत के प्रस्तुति घलो होही।

रच-रच के गेड़ी के आवाज

हरेली तिहार संग गेड़ी चढ़े के परंपरा गहरे जुड़े हावय। गांव के इलाका म लगभग सब्बो घर मन झन गेड़ी बनाथें। परिवार के बच्चा आ युवां मन गेड़ी के जोर-जोर ले मजा उठाथें। गेड़ी बांस ले बनाय जाथे। दू बांस म बराबर दूरी म कील लगाय जाथे। एक ओर बांस के टुकड़ा ला बीच ले फाड़ के दू हिस्सा म बांटे जाथे। ओकर ला नारियल रस्सी ले बांध के दू पउआ बनाय जाथे। ये पउआ असल म पैर दान आय जऊन ला लंबाई म पहिली कंठे गेय दू बांस म लगाय कील के ऊपर बांध दे जाथे। गेड़ी म चलत समे रच-रच के आवाज निकलथे, जऊन वातावरण ला अउ मजेदार बना देथे। एकर संग संग सांझ म युवा वर्ग, बच्चा मन गांव के गली म नारियल फेंकय अउ गांव के मैदान म कबड्डी आदि कई तरह के खेल खेलथें। बहु-बेटी मन नवा कपड़ा पहिन के सावन झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी आदि खेल के मजा लेथें।

गेड़ी के पूजा

हरेली के दिन मन लइका बांस ले बने गेड़ी के मजा लेथे। पहिली के दशक म गांव म बरसात के समय कीचड़ हो जाथे, तब गेड़ी ले गली म घुमे के अपन अलग मजा होथे। गांव-गांव म गली कांक्रीटीकरण होए ले अब कीचड़ के दिक्कत काफी हद तक दूर हो गे हवय। हरेली के दिन घरवाली मन अपन चुल्हा-चौका म कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी भाजी बनाथे। किसान मन अपन खेती-किसानी के काम म आवत औजार जइसे नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि के पूजा करके छत्तीसगढ़ी भाजी गुलगुल भजिया अउ गुड़हा चीला के भोग लगाथे। एखर अलावा गेड़ी के पूजा घलो करे जाथे।

ए होथें रसम

छत्तीसगढ़ के गाम म अक्सर हरेली तिहार से पहिले ही गेड़ी घर म बने लगथे। तिहार के दिन बिहन ले ही तालाब के पनघट म किसान परिवार, बड़े-बुजुर्ग, बच्चा सब अपन-अपन गइ, बैल, बछड़ा ला नहावत हवंय।

संग म खेती-किसानी के औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती ला धोथें। येकर अलावा घर के आंगन म मुरूम बिछा के पूजा बर सजा देथें। माई मन गुड़ के चीला बनाथें। कृषि औजार ला धूप-दीप ले पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला के भोग लगाय जाथे। अपन-अपन घर म अराध्य देवी-देवता संग पूजा करथें। गाम के ठाकुरदेव के पूजा घलो करथें।

व्यंजन के स्वाद

हरेली के दिन घरवानी मन अपन चूल्हा-चौका म कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाथें। ए व्यंजन म ठेठरी, खुरमी, चीला, फरा, मुठिया, धुस्का, चांउर रोटी अंगाकर, बफौरी सादा, चउँसेला, चांउर रोटी पातर, बफौरी मिक्स दाल अऊ दूसर पकवान सामिल होथे। बड़े मन, जवान मन, बुड़क मन, महतारी मन सबो ए पकवान के स्वाद ला चखथें।

हरेली त्योहार के मजा लेथें। प्रधानमंती नरेंद्र मोदी ह देश के मनखे मन ला एक झन पेड़ के नाव मा लगाय के कहिस हे। छत्तीसगढ़ मं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ह हरेली के दिन एक झन पेड़ के नाव मा लगाय के कहिस हे ताकि अपन जननी अउ जनम भुमि दुनो बर प्रदेश के सबो मनखे अपन कृतज्ञता देखा सकें।

चिड़िया और बंदर

बारिश का है मौसम आया।
आसमान में बादल छाया।
छम-छम बरसे है अब
पानी।
'सुषमा' कहती एक
कहानी।।

तेज धार बरसे जब पानी।
सुख में रहती चिड़िया
रानी।।
कुड़-कुड़ कुड़-कुड़ करता
बंदर।
चिड़िया रानी घर के
अंदर।।

एक समय की बात बताऊँ।
खेल-खेल से मन
बहलाऊँ।।
आलस करते थे सब बंदर।
घर बनता तब होते अंदर।।

हँस कर बोली चिड़िया
रानी।
क्यों करते हो तुम
नादानी।।?
नीड़ तोड़ गुस्साता बंदर।
समझ न होते उनके
अंदर।।

काम समय पर करते
जाना।
कठिन घड़ी में मत
घबराना।
जो मेहनत से जी चुराते।
सुख सुविधा वो कभी न
पाते।।

चूँ-चूँ चूँ-चूँ गीत सुनाती।
चोंच दबा वह दाना लाती।।
बच्चों को है खूब खिलाती।
मौसम का आनंद उठाती।।

सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

शासकीय पॉलीटेक्निक दुर्ग में तीन सप्ताह का परिचयात्मक कार्यक्रम शुरू

दुर्ग। उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलिटेक्निक, दुर्ग में 10 अगस्त से तीन सप्ताह तक आयोजित होने वाले परिचयात्मक (इंडक्शन) कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को संस्था के शैक्षणिक माहौल, उपलब्ध सुविधाओं, अनुशासन तथा सर्वांगीण विकास के अवसरों से परिचित कराना है। पहले दिन प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने स्टूडेंट का स्वागत करते हुए उन्हें उच्च शिक्षा के इस नए सफ़र के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह तीन सप्ताह का कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल और आपसी संबंध मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

दुर्ग से रामलला तीर्थ यात्रा के लिए श्रद्धालु रवाना, विधायक ललित ने दिखाई हरी झंडी

दुर्ग। दुर्ग जिले से रामलला तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने हरी झंडी दिखाकर यात्रियों को रवाना किया और उनकी सुरक्षित व सुखद यात्रा की कामना की। उन्होंने कहा कि यह योजना धार्मिक आस्था और सनातन संस्कृति को समर्पित है तथा इससे वरिष्ठ नागरिकों और श्रद्धालुओं को अयोध्या में रामलला के दर्शन का अवसर मिल रहा है। चंद्राकर ने कहा कि अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए दर्शन अधिक सुलभ हुए हैं, जो गर्व की बात है। इस अवसर पर जिपं अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, कुलेश्वरी देवांगन, ओमेश्वर राजू यादव, सुखदेव देवांगन आदि उपस्थित थे।

जिले में अब तक 551.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 12 अगस्त 2026 तक 551.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू–अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 682.6 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 394.1 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 624.1 मिमी, तहसील बोरी में 571.1 मिमी, तहसील भिलाई–3 में 591.8 मिमी और तहसील अहिवारा में 446.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 12 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग के तहसील धमधा में 12.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

वसुंधरा सम्मान और वैचारिक संगोष्ठी 14 अगस्त को

भिलाई। सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर में शुक्रवार 14 अगस्त को दोपहर 3.30 बजे वसुंधरा सम्मान और वैचारिक संगोष्ठी आयोजित होगी। यह कार्यक्रम लोकजागरण की संस्था वसुंधरा और चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में देवी प्रसाद चौबे की 50वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रखा गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह होंगे।

तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, मंत्री यादव ने कहा-तिरंगा हमारी आन, बान और शान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में आज आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने तिरंगा यात्रा में सहभागी बनकर राष्ट्रभक्ति के इस उत्सव का हिस्सा बने। तिरंगा यात्रा के दौरान हाथों में लहराता तिरंगा, हृदय में भारत माता के प्रति सम्मान और कदमों में राष्ट्रसेवा का संकल्प नजर आया।

यात्रा में बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति का वातावरण बना रहा और भारत माता के जयकारों से माहौल गुंजायमान रहा। तिरंगा यात्रा में युवाओं ने विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे राष्ट्रभक्ति के जयकारों के साथ तिरंगे के प्रति अपना सम्मान और देश के प्रति समर्पण व्यक्त किये। तिरंगा यात्रा ने देश की एकता, अखंडता और गौरव का जीवंत संदेश दिया।

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली विरासत, बलिदान, एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। आज हमारा दायित्व है कि हम उनके बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमें तिरंगे की आन–बान–शान को सर्वोच्च रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को और मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य केवल राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और देशसेवा की भावना को और मजबूत करना है। आज युवाओं में जिस तरह राष्ट्रभक्ति का उत्साह देखने को मिला।

भिलाई में सेल-प्रबंध प्रशिक्षु (टेक्निकल)-2026 का सेन्ट्रल इंडक्शन शुरू

सीएमडी डॉ. अशोक पंडा ने प्रतिस्पर्धी दौर में नवाचार एवं तकनीकी उन्नयन पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल के प्रबंध प्रशिक्षु (टेक्निकल)–2026 के सेन्ट्रल इंडक्शन कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबंध निदेशक (सेल) डॉ. अशोक कुमार पंडा ने बुधवार को भिलाई निवास में किया। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ देश के अग्रणी इस्पात संगठन स्टील अथॉरिटी ऑफइंडिया लिमिटेड (सेल) से जुड़े नए प्रबंध प्रशिक्षु (टेक्निकल) के सफर की औपचारिक शुरुआत हुई। नवनियुक्त प्रबंध प्रशिक्षु भिलाई इस्पात संयंत्र में 11 दिवसीय सेन्ट्रल इंडक्शन कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। सेन्ट्रल इंडक्शन के उपरांत वे सेल के उन विभिन्न इस्पात संयंत्रों व इकाइयों में कार्यभार ग्रहण करेंगे, जहां उनकी पदस्थापना की गई है।

समारोह के दौरान 'ग्लिम्प्सेस फ्रॉम ऑन–बोर्डिंग ऑफ सेल एमटी(टी)–2026' तथा 'इंट्रोडक्शन टू सेल' शीर्षक से परिचयात्मक वीडियो प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं को सेल की विभिन्न इकाइयों, परिचालन एवं अधोसंरचना, कार्य परिवेश तथा संगठन की विकास यात्रा की जानकारी दी गई।

प्रतिस्पर्धी दौर में नवाचार और तकनीकी उन्नयन पर जोर

नए प्रबंध प्रशिक्षु को संबोधित करते हुए सीएमडी (सेल) डॉ. अशोक कुमार पंडा ने सेल की सात दशकों से अधिक की गौरवशाली विरासत का उल्लेख किया। उन्होंने इस्पात उद्योग में आए व्यापक बदलावों तथा सेल की उस यात्रा पर प्रकाश डाला, जिसमें संगठन ने एक समय के एकाधिकार वाले बाजार से निकलकर आज के अत्यंत प्रतिस्पर्धी खुले बाजार में अपनी मजबूत पहचान कायम रखी है। ऐसे प्रतिस्पर्धी वातावरण में केवल मूल्य–आधारित संगठन ही निरंतर आगे बढ़ सकते हैं।

चुनौतियां अपने साथ अवसर भी लाती है

डॉ. पंडा ने कहा कि चुनौतियां अपने साथ अवसर भी लेकर आती हैं। प्रतिस्पर्धी बाजार में नवाचार, कार्यप्रणाली में सुधार और तकनीकी उन्नयन की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कम मैनपावर वाले संगठनात्मक परिवेश में फ्रंटलाइन अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए युवा प्रोफेशनल्स से अपनी विशेषज्ञता का उपयोग लाभप्रदता बढ़ाने, मानव संसाधन प्रथाओं में सुधार, लागत प्रभावी उत्पादन, सुरक्षा के लिए नवीन उपाय तलाशने का आह्वान किया।

'अपना मनचाहा सेल बनाने' का आह्वान

नए प्रबंध प्रशिक्षु का स्वागत करते हुए निदेशक (कार्मिक) केके सिंह ने कहा कि प्रशिक्षुओं ने ऐसे महत्वपूर्ण समय में संगठन में प्रवेश किया है, जब विश्व के भविष्य के इस्पात उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा दुनिया के इसी क्षेत्र से आने की उम्मीद है और एक अग्रणी संगठन के रूप में सेल की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अपना सेल बनाने का आह्वान किया।

हर दिन सीखने का दिन बने : चित्त रंजन महापात्र

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कहा कि नए प्रशिक्षु देशभर से आए सर्वश्रेष्ठ तकनीकी प्रतिभाओं में से हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को सीखने के प्रत्येक अवसर का पूरा लाभ उठाने, विभिन्न कार्यक्षेत्रों के लोगों के साथ संवाद करने और अपने आसपास के प्रत्येक व्यक्ति से सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आने वाले दशकों के व्यावसायिक जीवन में यह दृष्टिकोण उनके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने प्रशिक्षुओं से हर दिन को सीखने का दिन बनाने का आह्वान किया।

हरेली तिहार पर दुर्ग निगम ने दिया हरियाली का संदेश

■ महापौर बोलीं, हरेली हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी परंपरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सावन अमावस्या के अवसर पर बुधवार को छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकपर्व एवं छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार माने जाने वाले हरेली तिहार का नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा धूमधाम और पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ी संस्कृति, खेती–किसानी और प्रकृति से जुड़े इस पर्व के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं शहर में हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि उपज मंडी परिसर, धमधा रोड में सुबह 10 बजे कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर पूजा–अर्चना कर किया। इस अवसर पर अच्छी फ़सल एवं सुख–समृद्धि की कामना करते हुए गोधन तथा कृषि कार्यों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक औजारों की विधिवत पूजा की गई। हरेली पर्व की परंपराओं को जीवंत करते हुए जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गेड़ी चलाकर पर्व की रौनक बढ़ाई।

हरेली तिहार के अवसर पर कृषि मंडी परिसर में महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, काशीराम कोसरे, नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शिव नायक, हर्षिका संभव जैन एवं पार्षद युवराज कुंजम सहित जनप्रतिनिधियों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 150 से अधिक पौधों का रोपण किया।

भिलाई निगम के सात श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निवासरत 50 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को हरेली त्यौहार के अवसर पर श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना किया गया। इस अवसर पर निगम मुख्य कार्यालय परिसर से तीर्थयात्रियों को तिलक लगाकर सम्मान के साथ रवाना किया गया। इसके बाद निगम के वाहन से सभी श्रद्धालुओं को दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचाया गया।

श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना होने वाले सात तीर्थयात्रियों में अलका ताम्रकार, बेन कुमार, मंतराम यादव, थनेन्द्र कुमार साहू, लक्ष्मी साहू, गणेश सोनी एवं प्रीति लता सोनी शामिल हैं। वरिष्ठ नागरिकों में अयोध्या धाम जाकर भगवान श्री रामलला के

दर्शन को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल रहा। निगम परिसर में विदाई के दौरान श्रद्धालुओं के माथे पर तिलक लगाया गया तथा आरती कर उनकी मंगलमय एवं सुखद यात्रा की कामना की गई। निगम द्वारा सभी तीर्थयात्रियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करते हुए उन्हें सुरक्षित रूप से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया गया, जहां से वे अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए।

अनियमितता पाये जाने पर कृषि केन्द्र से 825 बोरी उर्वरक राजसात

दुर्ग। खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार कृषि विभाग के जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। निरीक्षण दल एवं उर्वरक निरीक्षक द्वारा 13 जून 2026 और 16 जून 2026 को मैसर्स विद्या कृषि केन्द्र बोरी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान दुकान में कई अनियमिताओं जैसे उर्वरकों के दर एवं पॉस अनुसार स्कंध का सही उल्लेख न होना, कैश/क्रेडिट मेमो जारी न करना, बिना अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) में प्रविष्ट उर्वरक का भण्डारण, जांच में सहयोग न करना, भौतिक स्टॉक व पॉस स्टॉक में अंतर तथा जांच दल की कार्यवाही में बाधा पहुंचाना पाया गया। जिससे केन्द्र को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए जब्ती की कार्यवाही की गई। निरीक्षण तिथि में नियम विरुद्ध उर्वरकों का भण्डारण व विक्रय किया जा रहा था, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985, के खण्ड 4, 5, 8(3), 28(4), उर्वरक आदेश 1973 खण्ड 3(ए), व डीबीटी पद फर्टीलाइजर तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 का स्पष्ट उल्लंघन है।

स्कूल परिसरों के पास तंबाकू बेचने वालों पर कोटपा के तहत कार्रवाई

■ 15 दुकानदारों से 2150 रुपए का जुर्माना भी वसूला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग तथा पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बोरी थाना क्षेत्र में कोटपा अधिनियम 2003 के तहत बड़ी चालानी कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार विगत 11 अगस्त 2026 को संचालित की गई। कार्रवाई के दौरान विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध संबंधी कानूनी प्रावधानों का निरीक्षण किया गया।

इसके तहत शासकीय हिंदी मीडियम पीएम श्री स्कूल बोरी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पथरिया तथा शासकीय हाई स्कूल अंजोरा ढाबा (तहसील धमधा) के समीप तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के विरुद्ध कोटपा अधिनियम 2003 की धारा 4 एवं 6 के तहत कार्रवाई की गई। टीम ने कुल 15 दुकानदारों पर चालान बनाते हुए 2,150 रुपये का अर्थदंड अधोरोपित किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों को 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचने तथा सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन पर लगे प्रतिबंध की जानकारी दी। साथ ही तंबाकू सेवन से स्वास्थ्य पर होने वाले जानलेवा दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए तंबाकू–मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग की अपील की। इस विशेष कार्रवाई में खाद्य एवं औषधि प्रशासन से सहायक औषधि नियंत्रक श्री संजय सिंह झड़ेकार, औषधि निरीक्षक जागेश्वरी साहू तथा पुलिस विभाग से आरक्षक मोहम्मद समीम, जितेंद्र धीवर और प्रशांत साहू उपस्थित रहे।

जेन जी और अल्फा इस दौर की सर्वश्रेष्ठ पीढ़ी हमें इनके प्रति बदलनी होगी अपनी सोच- जैन

माइल स्टोन अकादमी की ओर से समूह चर्चा में विषय विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। माइलस्टोन एकेडमी में जेन–जी और जेन–अल्फा के दौर में पेरेंटिंग और टीचिंग विषय पर सामूहिक चर्चा (पैनल डिस्कशन) का आयोजन विगत दिनों किया गया। जिसमें शिक्षा और पैरेंटिंग से जुड़े विषय विशेषज्ञों ने नई–पुरानी पीढ़ियों को जोड़ने, उनकी आपसी समझ को बढ़ाने और नई पीढ़ी के भविष्य को आकार देने से जुड़े मुद्दों पर अपने–अपने विचार रखे।

स्कूल की प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती ममता शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन में विषय प्रवर्तन किया तथा वर्तमान समय में नई और पुरानी पीढ़ी के बीच की चुनौतियों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नई और पुरानी पीढ़ी के बीच दूरियां कम रहे तो बेहतर है। हमें बहुत सख्त पैरेंटिंग से बचना होगा और अपने बच्चों को समय देना होगा। इस दौरान प्रख्यात पैरेंटिंग विशेषज्ञ

चिंरजीव जैन ने नई और पुरानी पीढ़ी के बीच के अंतर पर बात करते हुए कहा कि आज हम जेन जी की बात करें या जेन अल्फा, हमारी नई पीढ़ी अपने दौर की सर्वश्रेष्ठ है। यह संभव है कि उनसे बड़े होने की वजह से माता–पिता या पालक के तौर पर हम अपने बच्चों को समझ नहीं पाते हैं। श्री जैन ने कहा कि उन्होंने कहा कि यह लगभग वैसी ही स्थिति है, जैसे पहले कोई एम्बेसेडर कार इस्तेमाल करता हो और उसे अब नई मर्सीडीज दे दी जाए और इस मर्सीडीज को भी वह एम्बेसेडर की तरह ही इस्तेमाल करना चाहे। इससे दोनों पीढ़ियों के बीच का फासला और बढ़ता जाता है।

जैन ने मौजूदा परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजार में हर प्रोडक्ट के साथ 'यूजर्स मैन्युअल' होता है लेकिन इस समाज में जब इंसान जन्म लेता है तो उसके साथ कोई मैन्युअल नहीं होता है। एक दौर में हमारे परिवार में दादा–दादी, नाना–नानी सहित तमाम बड़े एक 'यूजर्स मैन्युअल' की तरह पेश आते थे, जिससे नई पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलता था। अब हालात बदल गए हैं और एकल परिवारों की बहुलता के चलते हमारे ये स्वाभाविक 'यूजर्स मैन्युअल' गुम होते जा रहे हैं। जैन ने कहा कि इस सच्चाई को स्वीकार करते हुए हमें नए सिरे से इस पर विचार करना चाहिए।

जल रक्षा भिलाई के तहत वैज्ञानिक जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई, आईआईटी भिलाई एवं केंद्रीय भूजल बोर्ड के संयुक्त सहयोग से जल रक्षा भिलाई एकीकृत जल संरक्षण एवं प्रबंधन पहल को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में प्रथम समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य भिलाई में विज्ञान एवं तकनीक आधारित जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, शहरी जल निकासी व्यवस्था, जलभराव की रोकथाम तथा जल गुणवत्ता में सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना है। बैठक में निगम क्षेत्र में ग्रीष्म ऋतु के दौरान जल की कम उपलब्धता, वर्षा ऋतु में जलभराव, पेयजल में सीवेज के पानी के मिश्रण जैसी गंभीर समस्याओं तथा जल के पुनः उपयोग की कम दर पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में बोरवेल रिचार्ज शाफ्ट के तत्काल निर्माण तथा संबंधित प्राक्कलनों के आदान–प्रदान के बाद आवश्यक स्वीकृति की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया गया। परियोजना के अंतर्गत जीआईएस एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भिलाई के प्राकृतिक जल निकासी तंत्र की पहचान, जलभराव की रोकथाम के लिए कम लागत वाले वैज्ञानिक समाधान, सीवेज एवं जलापूर्ति लाइनों का अध्ययन तथा समस्या–ग्रस्त क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। इसके साथ ही जी आई एस आधारित भूजल मानचित्रण कर अधिकतम भूजल पुनर्भरण क्षमता वाले क्षेत्रों में कम लागत की संरचनाओं के निर्माण के उपाय सुझाए जाएंगे।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

भारतनेट से छत्तीसगढ़ के गांवों को डिजिटल शक्ति मिलेगी : बृजमोहन अग्रवाल

नई दिल्ली/रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को लोकसभा में छत्तीसगढ़ में भारतनेट परियोजना की प्रगति और ग्राम पंचायतों में डिजिटल कनेक्टिविटी को और प्रभावी बनाने का महत्वपूर्ण विषय उठाया। केंद्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने जानकारी दी कि, 30 जून 2026 तक छत्तीसगढ़ को भारतनेट फेज-I, फेज-II और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 2,757 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसमें फेज-I के अंतर्गत 560 करोड़ रुपये, फेज-II के अंतर्गत 2,065 करोड़ रुपये और संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के अंतर्गत 132 करोड़ रुपये शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ में भारतनेट फेज-I और फेज-II के अंतर्गत कुल 9,681 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर केबल से जोड़ा गया है। इनमें से 833 ग्राम पंचायतें संचालित स्थिति में हैं। भारतनेट जैसी योजना ग्रामीण भारत को शिक्षा, स्वास्थ्य, शासन, कृषि और डिजिटल सेवाओं से जोड़ने की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के हजारों गांवों को हस्पष्ट कनेक्टिविटी से जोड़ना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रायपुर पुलिस का मालखाना हुआ डिजिटल, सभी 7 थानों में ई-मालखाना शुरू

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट के मध्य जोन के सभी सात थानों में अब ई-मालखाना प्रणाली लागू हो गई है। थाना सिविल लाइन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित कांबले ने ई-मालखाना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही कोतवाली, मौदहापारा, गोलबाजार, देवेंद्र नगर, गंज, तेलीबांधा और सिविल लाइन थानों में डिजिटल मालखाना व्यवस्था शुरू हो गई है। ई-मालखाना प्रणाली के जरिए जब्त सामान की डिजिटल एंट्री, रिकॉर्ड का व्यवस्थित संधारण और सुरक्षित रख-रखाव किया जाएगा। इससे जब्त संपत्ति की जानकारी को जरूरत के मुताबिक आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा और मालखाना प्रबंधन में पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ेगी। पुलिस के मुताबिक, इस व्यवस्था से मैनुअल रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी और जब्त माल की निगरानी अधिक प्रभावी तरीके से की जा सकेगी।

सहकारिता व्यवस्था को पारदर्शी बनाने पर जोर

रायपुर। आगामी खरीफविपणन वर्ष 2026-27 की तैयारियों की समय से पहले अंतिम रूप देने और किसानों को निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) में प्राधिकृत अधिकारी शशिकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी, खाद वितरण, वित्तीय प्रबंधन तथा शाखावार कार्यों की प्रगति का विस्तृत आकलन करते हुए लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक में खरीफवर्ष 2025-26 के अंतर्गत उपार्जित धान के निराकरण, मिलर्स द्वारा धान उठाव, भारतीय खाद्य निगम एवं नान में चावल जमा, कस्टम मिलिंग, परिवहन व्यवस्था तथा समितियों में उपलब्ध शेष धान की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को धान के समयबद्ध निराकरण एवं भंडारण क्षमता का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हरेली प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पशुधन के सम्मान और खेती-किसानी के गौरव का पर्व - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सोंधी महक, खेत-खलिहानों की परंपराएं, लोकगीतों की स्वर लहरियां, मांदर की थाप, गेड़ी का उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू - प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि और सभी परिवारों की सुख-खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रिगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर किसान भाई-बहनों को हरेली तिहार की गाड़ा-गाड़ा बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति

गौमाता को खिलाई पारंपरिक लोंदी, पशुधन संरक्षण का दिया संदेश

मुख्यमंत्री साय ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में निर्मित गौशाला पहुंचकर गौमाता की आरती और पूजा-अर्चना की। उन्होंने गाय और बछड़े को हरा चारा, चना-गुड़ तथा पारंपरिक 'लोंदी' खिलाई। हरेली पर पशुधन को लोंदी खिलाने की लोक परंपरा पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और रोगों से बचाव की कामना से जुड़ी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन में पशुधन परिवार और कृषि व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। हमारी लोक संस्कृति हमें पशुओं के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और संरक्षण की सीख देती है। आधुनिकता के साथ अपनी ऐसी उपयोगी और प्रकृति-सम्मत परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

और ग्रामीण जीवन के बीच आत्मीय रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी धरती, पशुधन, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और प्रदेश की बड़ी आबादी की आजीविका खेती-किसानी से जुड़ी है। किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मजबूत आधार है।

हरेली के उत्सव में मुख्यमंत्री साय पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगे नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ महिला ऑटो चालक संगीता यादव के पिंक ऑटो में मुख्यमंत्री निवास परिसर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस अनूठे अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव के माहौल में आत्मीयता का रंग घोल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गौरी-गणेश एवं नवग्रह पूजन के साथ हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का अभिषेक किया और नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा की।

विजन 2047 की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ : उद्योगों से आत्मनिर्भर और समृद्ध भविष्य की नई पहल

छगन लाल लोन्हारे
(संयुक्त संचालक, जनसंपर्क)

रायपुर। छत्तीसगढ़ आज औद्योगिक विकास के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां विकास का उद्देश्य केवल नए उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, आधुनिक तकनीक और क्षेत्रीय संतुलन के माध्यम से प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उद्योगों के लिए पारदर्शी, निवेश-अनुकूल और रोजगारोन्मुख वातावरण तैयार किया है। वहीं वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में नई औद्योगिक नीतियों ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है और छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों की कतार में खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून 2026 में टेक्सटाइल पार्क की पहली यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड 235 करोड़ रुपए के निवेश से यहां गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा रही है। इस यूनिट से 4650 लोगों को रोजगार मिलेगा। टेक्सटाइल और गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने यह अहम कदम है।

प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं

बीते ढाई वर्षों में राज्य को 264 औद्योगिक परियोजनाओं से लगभग 8.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 1.72 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। इनमें से 154 परियोजनाएं निर्माण, भूमि आवंटन अथवा उत्पादन के चरण तक पहुंच चुकी हैं, जबकि कई इकाइयां पहले ही उत्पादन प्रारंभ कर चुकी हैं। इसी अवधि में प्रदेश में 3,009 नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं, जिनसे 50,807 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला। यह दर्शाता है कि सरकार की औद्योगिक नीतियां केवल कागज़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि धरातल पर परिणाम दे रही हैं।

विनिर्माण इकाइयों को 100 तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत

राज्य सरकार द्वारा लागू औद्योगिक विकास नीति 2024-30 ने उद्योगों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। विनिर्माण इकाइयों को 100 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र को 150 प्रतिशत तक वित्तीय प्रोत्साहन, एमएसएमई और सेवा उद्योगों को पहली बार विशेष लाभ, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मा जैसे भविष्य के क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज तथा स्थानीय युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने वाले प्रावधान इस नीति की प्रमुख विशेषताएं हैं। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर एसईजेड और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश जैसी बड़ी पहलें आकार ले रही हैं।

ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। 150 से अधिक सेवाओं वाला नया सिंगल विंडो सिस्टम, निवेशकों के लिए एआई आधारित वाणी प्रणाली, 500 से अधिक प्रशासनिक सुधार तथा प्रक्रियाओं का सरलीकरण निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार कर रहा है। औद्योगिक विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे, इसके लिए राज्य में 23 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए तथा 15 जिलों में 26 नए औद्योगिक कार्य स्वीकृत किए गए हैं। प्लास्टिक पार्क और नवा रायपुर में टेक्सटाइल, फार्मा एवं रेडीमेड गारमेंट पार्क जैसे प्रयास औद्योगिक आधार को और मजबूत बना रहे हैं।

सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना

हाल ही में विजन 2047 औद्योगिक विकास की संभावनाएं विषयक चर्चा में उद्योगमंत्री लखन लाल देवांगन ने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना और निवेश को तेजी से धरातल पर उतारना है, ताकि स्थानीय युवाओं को अधिकतम अवसर मिल सकें। बस्तर-सरगुजा जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है।

मंत्री रामविचार नेताम की पहल से जल्द खुलेगा रेलवे रिजर्वेशन काउंटर

हजारों यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लोगों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग को प्रमुखता से उठाते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से आज सुबह दिल्ली में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मांग पत्र प्रेषित कर बलरामपुर जिला मुख्यालय में शीघ्र रेलवे रिजर्वेशन काउंटर प्रारंभ कराने का आग्रह किया है। मंत्री श्री रामविचार नेताम की मांग पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने सहमति प्रदान करते हुए जल्द मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। रेल्वे काउंटर बनने से हजारों यात्रों को राहत मिलेगी।

मंत्री नेताम ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर की सुविधा उपलब्ध नहीं होने से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, व्यापारियों तथा मरीजों सहित हजारों यात्रियों को टिकट आरक्षण के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है तथा आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से जिले में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोलने की मांग लगातार की जा रही है। जनसंख्या, बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं तथा क्षेत्रीय विकास को देखते हुए अब यह सुविधा उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

श्री नेताम ने केंद्रीय रेल मंत्री से आग्रह किया है कि जनहित एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए बलरामपुर जिला मुख्यालय में रेलवे रिजर्वेशन काउंटर खोले जाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

शहीद के घर पहुंचा तिरंगा, एसडीएम ने किया शहादत को नमन

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शहीद परिवार का किया सम्मान, राष्ट्रभक्ति और एकता का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बीजापुर जिले में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत एसडीएम जागेश्वर कौशल ने एक शहीद के घर पहुंचकर तिरंगा भेंट किया और उनकी शहादत को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

सडीएम कौशल ने शहीद के परिजनों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए शहीद द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए परिवार के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वीर जवानों का त्याग, समर्पण और बलिदान पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

शहीद के घर तिरंगा भेंट कर 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अभियान में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। जिला प्रशासन ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिलेवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में शामिल होने, अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने और देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन करने की अपील की है।

नारायणपुर से शुरू हुई बस्तर तिरंगा यात्राः उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप ने बाइक चलाकर किया नेतृत्व, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचेगा तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर में शांति, एकता और राष्ट्र निर्माण का संदेश लेकर बुधवार को नारायणपुर जिला मुख्यालय के हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड से 'बस्तर तिरंगा यात्रा 2026' का शुभारंभ हुआ। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप बाइक पर तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व करते हुए रवाना हुए, जिसे क्षेत्र के विभिन्न समाज प्रमुखों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस्तर तिरंगा यात्रा के आयोजन में शामिल बच्चों से मंत्री द्वय ने उनके बीच पहुंच कर आत्मीयता के साथ मुलाकात की और सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विकास का बिगुल फूंकते हुए सभी को शांति और विकास का संदेश दिया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने

कहा कि यह यात्रा उन क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, जहां पहले नक्सली घटनाओं ने लोगों को प्रभावित किया था। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से देश और दुनिया को यह संदेश दिया जाएगा कि इन क्षेत्रों में अब नक्सलवाद समाप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि नारायणपुर का चयन विशेष उद्देश्य के तहत किया गया है, क्योंकि यह जिला सबसे लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहा है। यात्रा का समापन 14 अगस्त को बीजापुर जिले के करेंगुट्टा पहाड़ी पर तिरंगा फहराकर किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में माओवाद के विरुद्ध नीति बनाकर नियत तिथि पर 31 मार्च 2026 में नक्सलवाद राज्य के साथ साथ देश से समाप्त किया गया है। आज के बाद हर राष्ट्रीय पर्व एवं स्वतंत्रता दिवस पर बस्तर के कोने-कोने तक भारत का तिरंगा पूरी आन, बान और शान से लहराएगा। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 से लेकर अब तक बस्तर के अनेक दुर्गम गाँवों में लगातार राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण किया गया है। इस स्वतंत्रता दिवस पर बस्तर सम्भाग के 90 से अधिक ऐसे गाँव हैं, जहाँ आजादी के बाद पहली बार इस स्वाधीनता दिवस पर तिरंगा लहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरंगा फहरने का मतलब बाबा साहब के द्वारा लिखा संविधान अब राज्य के कोने कोने पर लागू होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि आज जब मैं बस्तर के अलग अलग गांवों में जाता हूँ तो बस्तरवासी कहते हैं कि वे खुद को सही मायनों में स्वतंत्र महसूस कर रहे हैं और अब कोई ऐसी ताकत नहीं बची जो भारत के राष्ट्रीय ध्वज को नकार सके। पहले राष्ट्रीय पर्वों पर माओवादियों का फरमान होता था कि अपने घरों में काला झंडा लगाया जाए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा

वर्ष 2024-25 तक के सभी प्रगतिरत कार्यों को मार्च-2027 तक पूर्ण करने के दिए निर्देश, काम नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने रायपुर परिक्षेत्र के सभी संभागों में निर्माणाधीन सड़कों और भवनों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में आयोजित बैठक में अधिकारियों से स्वीकृत और निर्माणाधीन कार्यों के साथ ही प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों की निविदा प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने वर्ष 2024-25 तक के सभी प्रगतिरत कार्यों को 31 मार्च 2027 तक पूर्ण करने के दिए निर्देश दिए। श्री बंसल ने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन कर हर महीने भुगतान के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता को हर महीने कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर कार्यों

की समीक्षा करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने फील्ड का दौरा कर और साइट देखने के बाद ही निर्माण कार्यों के प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश विभागीय अभियंताओं को दिए। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संपर्क और समन्वय बनाकर निर्धारित टाइम-लाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टाइम-लाइन के मुताबिक समय पर काम नहीं करने वाले, लापरवाही बरतने वाले और गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने तथा आगामी निविदाओं के लिए अपात्र करने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और उन्हें समय-सीमा में पूरा करने को कहा। उन्होंने रायपुर और नवा रायपुर में कार्यों की सहूलियत, बेहतर मॉनिटरिंग और प्रशासनिक कसावट के लिए रायपुर मंडल क्रमांक-1 के चारों संभागों को पुनर्गठित कर कार्यक्षेत्रों का नए सिरे से विभाजन करने को कहा। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप एक ही टेबल पर तीन वर्षों से अधिक समय से काम कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची तैयार कर 30 सितम्बर तक नई पदस्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र के सभी संभागों में अनुकंपा नियुक्ति तथा न्यायालयीन प्रकरणों की भी समीक्षा की।

श्री बंसल ने पीडब्लूडी-आईएमएस में विभाग के सभी कार्यों की एंट्री 31 अगस्त तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा 2026-27 के प्राथमिकता वाले नए कार्यों के प्राक्कलन भी 31 अगस्त तक जमा करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु तथा लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को भी समय-सीमा में सक्रियता से निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुविधा और नागरिकों की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अगले पांच वर्षों में सड़कों की जरूरत का आकलन कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद तत्काल अनुबंध कर कार्यादेश जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निविदा में कार्यपूर्णता के लिए उपयुक्त समय-सीमा के निर्धारण के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश प्रमुख अभियंता को दिए।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

वामिका गब्बी के हाथ लगी ऋषभ शेट्टी की फिल्म जय हनुमान, जल्द शुरू करेंगी शूटिंग

वामिका गब्बी अपनी हालिया रिलीज फिल्म डीसी: द ब्लडी वैलेंटाइन को लेकर खबरों में छाई हैं। इस बीच खबर है कि उनके हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है, जिसमें कांतारा अभिनेता ऋषभ शेट्टी नजर आएंगे। दरअसल, पिछले साल आई कांतारा: चैप्टर 1 की सफलता के बाद शेट्टी अपनी अगली परियोजना जय हनुमान में व्यस्त चल रहे हैं, जो एक पौराणिक महाकाव्य होगी। अब इस परियोजना में उनके साथ वामिका भी जुड़ गई हैं, जिसका निर्देशन प्रशांत वर्मा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पौराणिक महाकाव्य जय हनुमान में वामिका के किरदार को गुप्त रखा गया है, लेकिन वह एक महत्वपूर्ण और शक्तिशाली किरदार निभाती हुई नजर आएंगी।

बताया जा रहा है कि अभिनेत्री पहली बार पौराणिक कथाओं, एक्शन और भक्ति से भरपूर इस गाथा का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं और जल्द ही हैदराबाद में इसकी शूटिंग शुरू करेंगी।

ये परियोजना साल 2024 में आई अभिनेता तेजा सज्जा की ब्लॉकबस्टर फिल्म हनु मान का सीक्वल होगी।

मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, जय हनुमान निर्देशक वर्मा के पीवीसीयू यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें शेट्टी भगवान हनुमान का किरदार निभाते दिखेंगे।

फिल्म को कलियुग में स्थापित एक हाई-ऑक्टेन एक्शन गाथा के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जो हनुमान की अटूट भक्ति, निष्ठा और शाश्वत शक्ति को दर्शाएगी और उन्हें एक अमर आत्मा के रूप में प्रस्तुत करेगी।

इसकी शूटिंग इसी साल मार्च से शुरू हुई थी, लेकिन रिलीज तारीख का ऐलान होना बाकी है।

मानसून में मोनालिसा ने ढाया कहर; डेनिम शॉर्ट्स और लाल टॉप में दिए स्टाइलिश पोज

मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री हैं। अपने अभिनय के अलावा वे लुक्स को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। वे अपनी तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। आज मंगलवार को भी एक्ट्रेस ने अपने स्टाइलिश लुक साझा किए हैं।

मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट में एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें मोनालिसा डेनिम शॉर्ट्स और रेड टॉप में दिख रही हैं। उन्होंने टीशर्ट से मैचिंग फुटवियर्स पहन रखे हैं।

तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। भोजपुरी अदाकारा ने ये तस्वीरें नेचर के बीच पार्क में क्लिक कराई हैं। वे अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं।

43 वर्षीय मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। वे फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटिजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें गॉर्जियस डॉल कह रहे हैं।

मोनालिसा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस की शादी भोजपुरी एक्टर विक्रम सिंह राजपूत से हुई है। दोनों ने साल 2017 में शादी रचाई थी।

दोपहर में की गई इन गलतियों के कारण कम होने लगती है शरीर की ऊर्जा

दोपहर के समय ऊर्जा का स्तर अचानक गिरना एक आम समस्या है, जिसका कई लोगों को सामना करना पड़ता है। इसका मुख्य कारण हमारी दिनचर्या और खान-पान से जुड़ा होता है। अगर आप भी दोपहर में थकान और सुस्ती महसूस करते हैं तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताएंगे, जिन्हें सुधारकर आप अपनी ऊर्जा को बनाए रख सकते हैं और पूरे दिन सक्रिय रह सकते हैं।

भारी और मसालेदार भोजन करना

दोपहर के समय भारी और मसालेदार भोजन करने से पाचन तंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है, जिससे नींद आती है। इससे बचने के लिए हल्का और पौष्टिक भोजन करें, जैसे सलाद, दही या फल। इनसे आपको जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और ऊर्जा भी बनी रहेगी। इसके अलावा पानी पीते रहें, ताकि आपका शरीर नमी से भरा रहे और आप तरोताजा महसूस करें। इस तरह आप दोपहर में सुस्ती और थकान से बच सकते हैं।

चाय-कॉफी का अधिक सेवन कर लेना

चाय या कॉफी का अधिक सेवन करने से आपको अस्थायी ऊर्जा मिल सकती है, लेकिन यह लंबे समय तक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। इससे शरीर में जलन बढ़ती है और नींद भी प्रभावित होती है। बेहतर होगा कि आप दिनभर में सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें और इसके बजाय हर्बल चाय या नींबू पानी पिएं। इससे आपका शरीर नमी से भरा रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

लगातार स्क्रीन इस्तेमाल करना

लैपटॉप या मोबाइल स्क्रीन पर लगातार काम करने से आंखों पर तनाव पड़ता है, जिससे सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे नींद आने की समस्या खड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए अपनी आंखों को बंद करें या दूर देखें। इसके अलावा स्क्रीन ब्रेक लेने के लिए उठकर थोड़ी देर टहलें या हल्की स्ट्रेचिंग करें। इससे आपकी आंखें आराम करेंगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

पर्याप्त पानी न पीना

शरीर को नमी से भरा रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि पानी की कमी से भी थकान होती है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए, ताकि शरीर में नमी बनी रहे और ऊर्जा स्तर भी ठीक रहे। इसके अलावा आप नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर भी होते हैं। इससे आपका शरीर नमी से भरा रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

कसरत न करना

काम करते समय बीच-बीच में हल्की-फुल्की कसरत करना बहुत फायदेमंद होता है। इससे मांसपेशियों में खिंचाव आता है और रक्त संचार बेहतर होता है। आप कुर्सी पर बैठकर गर्दन घुमा सकते हैं, हाथ-पैर खींच सकते हैं या कुछ मिनट टहल सकते हैं।

इससे आपका मन भी तरोताजा रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे। इस तरह आप अपनी दिनचर्या में हल्की-फुल्की कसरत शामिल करके आसानी से अपनी ऊर्जा को बनाए रख सकते हैं।

बंटवारा 1947 के लिए एडवांस बुकिंग शुरू सिनेमाघरों में 14 अगस्त को होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की फिल्म बंटवारा 1947 अपनी रिलीज से कुछ दिन दूर है। इससे पहले निर्माताओं ने इसकी एडवांस बुकिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है, जिसका ऐलान उन्होंने सोशल मीडिया पर किया है। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित और आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, इस एक्शन-थ्रिलर का ट्रेलर और गाने पहले ही दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर चुके हैं। अब फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों का उत्साह चरम पर पहुंच चुका है।

इस साल की शुरुआत में, गणतंत्र दिवस के अवसर पर सनी की फिल्म बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, वहीं स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले, 14 अगस्त को उनकी फिल्म बंटवारा 1947 रिलीज के लिए तैयार है।

फिल्म में उनके साथ प्रीति जिंटा मुख्य किरदार में हैं, जो 2018 में आई फिल्म भैयाजी सुपरहिट के साथ सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

बंटवारा 1947 भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान मानवता, बलिदान और साहस जैसे विषयों पर केंद्रित है।

इसकी कहानी लोकप्रिय लेखक और नाटककार असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ही नई पर आधारित है।

फिल्म का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं।

14 अगस्त को ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर इमरान हाशमी अभिनीत आवारापन 2 से सामना करेगी, जो उसी दिन सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

'प्रियंका चोपड़ा से उड़ना सीखा...'

मिस वर्ल्ड 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी निकिता पोरवाल

मिस वर्ल्ड का मंच जितना चमकदार नजर आता है, वहां तक पहुंचने का सफर उतना ही कठिन होता है। इसके पीछे महीनों की तैयारी, अनुशासन और लगातार खुद को बेहतर बनाने की चुनौती छिपी होती है। फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल इन दिनों इसी तैयारी में जुटी हैं।

कभी सुबह जल्दी उठने से बचने वाली निकिता आज कई बार रात के दो बजे मेकअप शुरू करती हैं और सुबह चार बजे तक तैयार हो जाती हैं। उनका कहना है कि देश का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी ने उनकी पूरी दिनचर्या बदल दी है।

'ताज सिर पर रखा... लेकिन आंखों के सामने सिर्फ तिरंगा था'

निकिता के लिए फेमिना मिस इंडिया का ताज किसी निजी उपलब्धि से कहीं बढ़कर था। वह कहती हैं, 'बहुत खुशी हुई, क्योंकि हमेशा से सपना था कि जिंदगी में कुछ ऐसा करूं, जहां मुझे भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले। जब फेमिना मिस इंडिया का ताज मेरे सिर पर सजा, तो सबसे पहला ख्याल यही आया कि अब मुझे मिस वर्ल्ड में अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलेगा। मेरे लिए वही सबसे बड़ा एहसास था। ताज जीतने की खुशी अपनी जगह थी, लेकिन उससे भी बड़ी खुशी यह थी कि अब दुनिया के सबसे बड़े मंच पर मैं भारत का नाम लेकर खड़ी होऊंगी।'

'लोगों को सिर्फताज दिखता है... हमें हर दिन वही रूटीन दोहराना पड़ता है'

मिस वर्ल्ड की तैयारियों को लेकर निकिता कहती हैं कि इस सफर का सबसे अहम हिस्सा लगातार एक जैसी मेहनत करते रहना है। 'देखिए, कोई एक जादुई चीज नहीं होती। मिस वर्ल्ड की पूरी तैयारी कंसिस्टेंसी पर टिकी होती है। हर दिन वही रूटीन... वही मेहनत... वही डेडिकेशन। एक-दो दिन नहीं, बल्कि महीनों तक। यही सबसे मुश्किल हिस्सा है। लोग बाहर से सिर्फरैंप वॉक और खूबसूरत गाउन देखते हैं, लेकिन उसके पीछे रोज खुद को उसी अनुशासन के साथ दोबारा तैयार करना पड़ता है। मुझे लगता है कि यही सबसे अनोखी चीज है, जो मैं इन दिनों कर रही हूं।'

'मुझे खुद पर जितना भरोसा नहीं था... उससे ज्यादा मेरी मां को था'

निकिता मानती हैं कि उनके सफर में ऐसे कई मौके आए, जब उन्हें खुद पर संदेह हुआ। 'ऐसे बहुत सारे मोमेंट आए। आखिर 60 साल के फेमिना मिस इंडिया के इतिहास में मध्य प्रदेश से पहले कोई राष्ट्रीय विजेता नहीं बनी थी। इसलिए कई बार लगता था कि क्या पता इस बार भी नहीं हो पाएगा। मन में बहुत सारे डाउट आते थे। लेकिन हर बार मेरी मां मेरे आत्मविश्वास से भी बड़ी ताकत बनकर खड़ी रहीं। उस समय मेरी मां ने मुझे ऐसा भरोसा दिया, जो शायद मुझे खुद पर भी नहीं था। उन्होंने कभी मुझे हार मानने नहीं दी। अगर आज मैं यहां तक पहुंची हूं, तो मिस इंडिया बनने का सबसे बड़ा श्रेय मैं अपनी मां को देती हूं।'

'प्रियंका ने उड़ना सिखाया... ऐश्वर्या ने जड़ों से जुड़े रहना'

प्रेरणा की बात आती है, तो निकिता सबसे पहले प्रियंका चोपड़ा और ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम लेती हैं 'प्रियंका चोपड़ा मुझे बहुत पसंद हैं। एक मॉडल से बॉलीवुड, फिर हॉलीवुड तक उन्होंने जिस तरह अपनी पहचान बनाई, वह वाकई प्रेरणादायक है। वहीं, ऐश्वर्या राय बच्चन को लेकर वह कहती हैं, 'ऐश्वर्या जिस तरह पूरी दुनिया में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं, वह मुझे बहुत प्रेरित करता है। वह जहां भी जाती हैं, अपनी भारतीय पहचान को कभी पीछे नहीं छोड़तीं। आधुनिक होने के बावजूद अपनी संस्कृति और जड़ों से जुड़े रहना उनसे सीखा जा सकता है।'

'मेरे लिए मिस वर्ल्ड सिर्फ ताज नहीं... लोगों की जिंदगी बदलने का मंच है'

निकिता इस बार मिस वर्ल्ड में अपने 'ब्यूटी विद ए पर्पज' प्रोजेक्ट 'माटी' के साथ उतरेंगी। इस पहल की प्रेरणा उन्हें देश के आदिवासी इलाकों की यात्राओं के दौरान मिली। वह कहती हैं, 'जब मैं आदिवासी इलाकों में गई, तो महसूस हुआ कि वहां की महिलाओं और बच्चों के पास हुनर और सपने तो हैं, लेकिन अवसर नहीं हैं। वहीं से 'माटी' का जन्म हुआ। मेरा प्रयास है कि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का मौका मिले, लेकिन उनकी संस्कृति और पहचान भी बनी रहे। अगर मिस वर्ल्ड का मंच किसी एक गांव की बेटी की जिंदगी बदलने में भी मेरी मदद कर सके, तो मेरे लिए वही सबसे बड़ी जीत होगी।'

खास-खबर

पहला दूध, पहला हक अभियान से 280 माताओं तक पहुंचा जागरूकता संदेश

रायपुर। माँ और शिशु के बेहतर स्वास्थ्य तथा कुपोषण की रोकथाम के उद्देश्य से विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत बीजापुर के सांस्कृतिक भवन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित किया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 280 माताओं और गर्भवती महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बीजापुर के बीएमओ डॉ. चेलापति राव और डॉ. पटेल ने माताओं को स्तनपान के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिशु के जन्म के पहले एक घंटे के भीतर माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध अवश्य पिलाना चाहिए। यह शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और उसे कई संक्रमणों से बचाता है। उन्होंने यह भी बताया कि जन्म से छह माह तक शिशु को केवल माँ का दूध ही दिया जाना चाहिए।

क्षेत्रीय कवि सम्मेलन में कवियों ने बिखेरे हर रंग

भाटापारा। आदर्श सत्संग सेवा आश्रम केसली में क्षेत्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषा के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सत्यनारायण पटेल ने कहा कि हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषा के समावेश ने इस आयोजन को विशेष और रोचक बना दिया। ऐसे क्षेत्रीय साहित्यिक आयोजन हमारी लोकभाषा, संस्कृति और साहित्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजन से नई पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जुड़ने की प्रेरणा देते हैं।कार्यक्रम का शुभारंभ आदर्श सत्संग सेवा आश्रम के संचालक करते हुए अशोक मिश्रा ने मां सरस्वती की वंदना बुद्धि के देवइया दाई, गुन ला गावंव तोर... से किया।

बिहान से जुड़कर संज्योति चौहान बनीं बैंक सखी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन रहा है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं न केवल अपनी आजीविका को मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड के ग्राम टांगरगांव की संज्योति चौहान इसकी प्रेरक मिसाल हैं। चांदनी स्व-सहायता समूह से जुड़ी संज्योति चौहान वर्ष 2019 से ग्रामीण बैंक से संबद्ध बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। बैंक सखी के रूप में वे ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाएं उनके गांव में ही उपलब्ध करा रही हैं। इसके साथ ही वे किराना दुकान का संचालन भी करती हैं।

किसानों की समृद्धि से ही समृद्ध होगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हरेली तिहार के पावन अवसर पर नवा रायपुर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के नवीन शासकीय आवास में आयोजित गृह प्रवेश समारोह एवं हरेली उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने वर्मा एवं उनके परिजनों को नवीन आवास में गृह प्रवेश की बधाई देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को भी छत्तीसगढ़ के प्रथम लोक पर्व हरेली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हरेली जैसे शुभ अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा का नवीन शासकीय आवास में गृह प्रवेश इस अवसर को और भी विशेष बनाता है। हरेली हमारी कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। किसान इस दिन कृषि औजारों और गौवंश की पूजा कर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं तथा अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह पर्व छत्तीसगढ़ की उस समृद्ध परंपरा का प्रतीक है, जिसमें प्रकृति, खेती और लोकजीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का मजबूत आधार खेती-किसानी है। किसान प्रदेश की प्रगति की धुरी हैं और उनकी समृद्धि में ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि निहित है। राज्य सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने, खेती को लाभकारी बनाने और कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के विस्तार के लिए निरंतर काम कर रही है।

हरेली से शुरू होता है छत्तीसगढ़ के पर्वों का सिलसिला : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशवासियों को हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और कृषि परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। हरेली के साथ ही प्रदेश में तीज-त्योहारों का उल्लासपूर्ण सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। आज पूरा छत्तीसगढ़ हरेली के रंग में रंगा हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि इस वर्ष अच्छी बारिश से किसानों में उत्साह है और बेहतर फसल की उम्मीद जगी है। उन्होंने ईश्वर से कामना की कि प्रदेश के खेत-खलिहान अच्छी फसल से लहलहाएं, किसानों के घरों में खुशहाली आए और छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति करे। उन्होंने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं उनके परिजनों को नवीन शासकीय आवास में गृह प्रवेश के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसान परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा मिले, जिससे किसान वर्षा पर निर्भरता कम कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए केवल परंपरागत खेती तक सीमित रहने के बजाय उन्हें कृषि से जुड़ी सहायक और आयमूलक गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, सिंचाई, कृषि यंत्रीकरण तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया पौधरोपण, हरेली पर हरित जीपीएम का संकल्प

3.36 लाख से अधिक पौधों से संवरेगा जिले का हरित भविष्य, पर्यावरण संरक्षण की मुहिम को मिली नई ताकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने हरेली तिहार के अवसर पर डोंगरिया के चारागाह स्थल में पौधरोपण कर जिलेवासियों को पर्यावरण संरक्षण और हरियाली विस्तार का संदेश दिया। उन्होंने 'हरित जीपीएम अभियान' के तहत व्यापक जनभागीदारी से जिले में 3 लाख 36 हजार से अधिक पौधों के रोपण की पहल की सराहना करते हुए कहा कि हरेली जैसे प्रकृति और कृषि से जुड़े पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकपरंपरा को नई दिशा देने वाला कदम है।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय वृक्षारोपण एवं हरेली उत्सव का शुभारंभ पारंपरिक कृषि यंत्र नागर एवं कोपर की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। चारागाह स्थल डोंगरिया में वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डोंगरिया के सभागार में मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, विद्यार्थियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, अधिकारी-कर्मचारियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की कृषि, प्रकृति और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। इस पावन अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जनभागीदारी और जनसहयोग से जिले को हरा-भरा, स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण, हरियाली विस्तार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत तैयार करेंगे। उन्होंने हरित जीपीएम अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन सहित जिलेवासियों को बधाई दी और रोपित पौधों की निरंतर देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

विधायक एवं मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रणव कुमार मरपच्ची ने कहा कि हरेली तिहार खुशहाली, सुख-समृद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। इस अवसर पर पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें बड़ा करना और उनकी सुरक्षा करना भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने बताया कि हरित जीपीएम अभियान को जिले के सभी वर्गों की सहभागिता से व्यापक स्वरूप दिया गया है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्रों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, छात्रावास-आश्रमों, स्वास्थ्य केन्द्रों और शासकीय कार्यालय परिसरों सहित विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया गया। इसके साथ ही गौठानों, चारागाहों, सड़क एवं नदी किनारे, अमृत सरोवरों तथा प्रधानमंत्री आवास परिसरों में भी पौधे रोपे गए। अभियान के तहत जिले में 3 लाख 36 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया है।

उप मुख्यमंत्री साव ने प्रदेशवासियों को दी हरेली की बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ के पहले त्योहार हरेली पारंपरिक तरीके से पूजा-पाठ कर मनाई। उन्होंने नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास मे गौमाता एवं कृषि औजारों नांगर, गैती, कुदारी इत्यादि की विधिवत पूजा-अर्चना की। घर के प्रवेश द्वार पर आरोग्य और हरियाली के प्रतीक नीम की डाली लगाई। उन्होंने हरेली पर ईश्वर से प्रदेश में अच्छी बारिश, खुशहाली और खेतों में लहलहाती फसल की कामना की। उप मुख्यमंत्री साव ने प्रदेशवासियों को हरेली की बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की माटी, खेती-किसानी और लोक संस्कृति से जुड़ा पर्व है। इसमें गेड़ी सहित छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं की झलक देखने को मिलती है।

हरेली हमारी संस्कृति और ग्रामीण जीवन की आत्मीयता को दर्शाता है। यह पर्व प्रकृति और अन्नदाता के प्रति सम्मान का भाव भी प्रकट करता है। हमारी लोक परंपराएं और त्योहार हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं। इनका संरक्षण और संवर्धन हम सभी की जिम्मेदारी है।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया हरेली तिहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ का प्रमुख कृषि पर हरेली तिहार हर्षोल्लास से मनाया गया। कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान प्रक्षेत्र में पारंपरिक तरीके से आयोजित हरेली तिहार उत्सव के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बैलों, हलों एवं अन्य कृषि यंत्रों एवं उपकरणों की पूजा-अर्चना की और अच्छी फसल की कामना की।

इसके उपरांत कृषि महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में विभिन्न पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं - गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, पिठ्ठुल, नारियल फेंक, रस्साकशी (रस्सा-कासी) एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और वहां उत्सव का माहौल निर्मित हो गया। कुलपति डॉ. चंदेल ने

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हरेली तिहार की प्रासंगिकता तथा कृषि एवं पर्यावरण के संबंध में इसके वैज्ञानिक महत्व के बारे में जानकारी दी।

उन्होनें कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व किसानों, गौ-वंश, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की हमारी समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। डॉ. चंदेल ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों एवं पारंपरिक कृषि विरासत से जोड़ना महत्वपूर्ण है।

कुशाभाऊ ठाकरे और गोंडवाना विश्वविद्यालय के बीच होगा ऐतिहासिक एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों की आवाज को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू), रायपुर और गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरौली के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता (रूश्) करने जा रहे हैं। केटीयू के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल और गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति के बीच हुई सौजन्य भेंट में इस एमओयू की रूपरेखा तैयार की गई, जिसका मुख्य केंद्र 'ग्रामीण एवं ग्रासरूट जनसंचार' को मजबूत करना है।

इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों के स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय फलक पर लाना, शोध को बढ़ावा देना और दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को मीडिया व जनसंचार क्षेत्र में नए

अवसर उपलब्ध कराना है।

इस साझा प्रयास के माध्यम से ?दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से सेमिनार, संगोष्ठी और तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन ऑफलाइन, ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में करेंगे, ताकि छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के सुदूर ग्रामीण इलाकों के छात्र, शिक्षक एवं पत्रकार सीधे लाभान्वित हो सकें। एमओयू के तहत फैकल्टी एक्सचेंज, स्टूडेंट इंटर्नशिप, अकादमिक शोध और कम्युनिटी रेडियो के प्रभावी उपयोग से ग्रामीण संचार को एक नई दिशा दी जाएगी। आदिवासी बहुल और पहुंच-विहीन क्षेत्रों की जमीनी वास्तविकताओं व विकास की कहानियों को मीडिया के माध्यम से दुनिया के सामने लाना है।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने एमओयू की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और ग्रामीण पत्रकारिता ही देश की वास्तविक जमीनी सच्चाई को उजागर करती है। इस साझा मंच से हम ऐसे संवेदनशील और दक्ष पत्रकार तैयार करेंगे जो संवेदनशीलता के साथ ग्रामीण विकास के नए आयाम लिखेंगे। गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वास जताया कि दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों का यह संयुक्त कदम आदिवासी बहुल और पिछड़े क्षेत्रों की आवाज को अधिक सशक्त और मुखर बनाएगा।

शहादत को सलाम, हर घर तिरंगे के नाम बीजापुर में गूंजा देशभक्ति का संदेश

हर घर तिरंगा अभियानः शहीद जवानों के परिजनों को तिरंगा भेंट कर किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत बीजापुर जिले में देशभक्ति से ओतप्रोत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय और सभी ब्लॉक मुख्यालयों में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। रैली में स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।

शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

बीजापुर जिला लंबे समय तक माओवाद से प्रभावित रहा है। 31 मार्च 2026 को जिले के नक्सल मुक्त होने के बाद यह पहला स्वतंत्रता दिवस है, इसलिए इस बार का उत्सव जिले के लिए विशेष महत्व रखता है।

जिले को नक्सलवाद से मुक्त कराने के दौरान शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम और अन्य अधिकारी उनके घर पहुंचे। अधिकारियों ने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात की, उन्हें तिरंगा भेंट किया और उनके साहस व बलिदान को नमन किया स अधिकारियों ने कहा कि देश की रक्षा के लिए जवानों का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनका साहस और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

जिलेभर में निकली तिरंगा रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया। रैली के दौरान बच्चों और नागरिकों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गर्व की भावना व्यक्त की।

स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना के साथ मनाएं

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने जिलेवासियों से अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना के साथ मनाएं। हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक तक तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश पहुंचाना है। बीजापुर में इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस केवल आजादी का उत्सव नहीं, बल्कि शांति की स्थापना और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है।

दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 30 सितंबर तक

राजनांदगांव। दिव्यांगजन छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। पात्र विद्यार्थियों को आवेदन सहित अन्य आवश्यक प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से पूरी करनी होगी। चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में छात्रवृत्ति की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। प्राप्त आवेदनों का सत्यापन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में संबंधित विद्यालय अथवा शिक्षण संस्था द्वारा 15 अक्टूबर 2026 तक आवेदनों की जांच की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा 30 अक्टूबर 2026 तक आवेदनों का परीक्षण किया जाएगा। दोनों स्तरों पर सत्यापन के बाद पात्र पाए गए विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

खास खबर

डामर प्लांट से केबल चोरी नाबालिग समेत दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम बनाहिल स्थित राइस मिल के डामर प्लांट से केबल वायर चोरी के मामले में मुलमुला पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी प्रकाश केवट को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है, जबकि चोरी में शामिल एक नाबालिग को कोरबा के बाल सुधार गृह भेजा गया है। 11 अगस्त की रात चौकीदार का फोन आया था, जिसने राइस मिल परिसर के डामर प्लांट के दफ्तर में कुछ लोगों के चोरी करने की जानकारी दी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि 75 हजार रुपए मूल्य का केबल वायर गायब था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर संदेही प्रकाश केवट को बनाहिल चौक के पास घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में प्रकाश ने एक नाबालिग बालक के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। प्रकाश के बताए स्थान से चोरी किया गया केबल वायर बरामद कर लिया गया है। आरोपी प्रकाश केवट (19) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, वहीं नाबालिग बालक को बाल सुधार गृह कोरबा भेज दिया गया है।

चाकू दिखाकर मोबाइल लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। थाना भिलाई भट्ठी क्षेत्र में चाकू दिखाकर मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 16 मोबाइल फोन के साथ घटना में प्रयुक्त स्टील का धारदार हथियार भी बरामद किया गया है। तीनों आरोपियों को 11 अगस्त 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनके कब्जे से लूटे गए दोनों मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया स्टील का धारदार हथियार बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने सुनसान स्थान के पास प्रार्थी और उसकी महिला साथी को निशाना बनाया। मोबाइल लूटने के दौरान विरोध करने पर नुकीली वस्तु से प्रार्थी को चोट पहुंचाई और दोनों मोबाइल लेकर फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियो के नाम आर्यन राय, उम्र 19 वर्ष, पीयूष कुमार शाह, उम्र 20 वर्ष, मोहम्मद आरिफ शाह, उम्र 19 वर्ष। इस कार्रवाई में थाना भिलाई भट्ठी प्रभारी निरीक्षक दिलेश्वर कुमार, सउनि भारत सिंह चौधरी, पुनीत राम वर्मा, प्रशिक्षु उप निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद, आरक्षक आशीष प्रसाद, अमित सिंह एवं जयनारायण यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

15 साल की बच्ची से रेप, मां-बाप बाहर गए तो बहलाकर घर ले गया, आरोपी को 20 साल कैद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के सड्डू इलाके में 15 साल की बच्ची रेप के मामले में कोर्ट ने आरोपी राजू सेन उर्फ खड़ा राजू उर्फ रेमंड (29) को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। पीड़िता की मां ने 13 जनवरी 2026 को सरस्वती नगर थाने में मौखिक रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

12 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे की घटना है। पीड़िता अपनी नानी के घर से पैदल लौट रही थी। विवेकानंद स्टेडियम के पास सेवा भारतीय मातृ छाया के पास पहुंचने पर नाबालिग ने पीड़िता को फोन कर कहा कि दीदी बुला रही हैं। जान-पहचान होने के कारण पीड़िता उनके साथ बैठ गई, लेकिन उसे झुमका दीदी के घर नहीं ले जाकर आरोपी के घर ले जाया गया। किशोर करीब 3 बजे वाहन लेकर

वहां से चला गया। घर में कोई और नहीं था। आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। उसने पीड़िता का मोबाइल भी बंद कर दिया और नशे में सो गया। पीड़िता 13 जनवरी सुबह करीब 5 बजे कुंडी खोलकर घर से भाग निकली और पैदल करीब 9 बजे अपने घर पहुंची। उसने मां को पूरी बात बताई। उसके बाद रिपोर्ट दर्ज हुई।

सरस्वती नगर थाने में अपराध क्रमांक 16/2026 दर्ज किया गया। इसमें भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं और पॉक्सो एक्ट की धारा-4 लगाई गई। 18 मार्च 2026 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसका भी मेडिकल टेस्ट कराया गया। अदालत ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 65(1), 127(2), 351(3) और पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) में दोषी ठहराया।

गोल्ड फ्लैक के नाम पर धोखाधड़ी, दो लाख की सिगरेट जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र में सिगरेट की प्रीमियम ब्रांड गोल्ड फ्लैक के नाम पर नकली सिगरेट बेचे जाने का मामला सामने आया है। कंपनी के फील्ड ऑफिसर की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने इंदिरा मार्केट स्थित SSD TRADERS में दबिश दी। यहां से भारी मात्रा में असली गोल्ड फ्लैक की पैकिंग में नकली सिगरेट की खेप बरामद की है। यहां से दो लाख से ज्यादा की नकली सिगरेट जब्त कर मौके से विशाल जसवानी व निखिल सिहानी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है

दरअसल कोतवाली पुलिस को एक दिन पहले मंगलवार को ITC Limited के अधिकृत प्रतिनिधि से दुर्ग स्थित एसएसडी TRADERS में ITC Limited के GOLD FLAKE PREMIUM ब्रांड के नकली उत्पादों का विक्रय किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। प्रार्थी ने बताया कि वह Private Eye Intellectual Property Right Solutions में Field Officer के पद पर कार्यरत है तथा ITC Limited द्वारा अपने उत्पादों की नकल करने एवं विक्रय करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही हेतु अधिकृत है। सूचना पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मौके पर जांच एवं आवश्यक साक्ष्य संकलन किया गया।

प्रथम दृष्टया अपराध घटित होना पाए जाने पर थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में धारा 318(4) बीएनएस एवं धारा 63 कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। आरोपियों द्वारा निजी आर्थिक लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से ITC Limited के GOLD FLAKE PREMIUM ब्रांड के नाम, पैकेजिंग एवं पहचान से मिलते-जुलते नकली सिगरेट उत्पादों का विक्रय किया जा रहा था, जिससे वास्तविक उत्पाद के संबंध में भ्रम उत्पन्न होने तथा कंपनी को आर्थिक क्षति पहुंचने की स्थिति निर्मित हो रही थी।

मौके से पुलिस ने GOLD FLAKE PREMIUM नाम अंकित कुल 36 बंडल, प्रत्येक बंडल में 50 पैकेट एवं प्रत्येक पैकेट में 10 सिगरेट, कुल 18,000 सिगरेट जिसकी कुल कीमत 2 लाख 7 हजार रुपए जब्त किया है। उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली दुर्ग पुलिस टीम द्वारा सूचना प्राप्त होने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर जांच, नकली उत्पादों की जप्ती, आरोपियों की गिरफ्तारी एवं आवश्यक साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई। प्रकरण में पुलिस टीम द्वारा विवेचना एवं अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई निरंतर की जा रही है।

कीटनाशक केंद्रों पर छापा, 20 को नोटिस और 5 दुकानों में जब्ती

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में कृषि विभाग ने खरीफ सीजन के दौरान बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने अमानक और अवैध कीटनाशकों की बिक्री रोकने और किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया।

कीटनाशी अधिनियम 1968 और कीटनाशी नियम 1971 के तहत अनियमितताएं पाए जाने पर 20 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। इसके अतिरिक्त, पांच परिसरों में कीटनाशकों की जप्ती और सुपुर्दगी की कार्रवाई भी की गई।

इसमें डुमरडीह का दुर्गा कृषि केंद्र, तिलई का सिन्हा कृषि केंद्र, लखोली नाका का छत्तीसगढ़ कृषि केंद्र, बसंतपुर का महावीर ट्रेडर्स, पुराना गंज चौक के सोनकर कृषि केंद्र और भारत कृषि केंद्र, कोकपुर का प्रजापति कृषि सेवा केंद्र, मोहड़ का शिवम कृषि केंद्र, अरसीटोला का हरिओम कृषिकेंद्र, छुरिया के साहू, आरू और लक्ष्मी कृषि केंद्र, धुसेरा का सिन्हा कृषि केंद्र, मुसराकला का हरिओम कृषि

केंद्र और ढारा का पूरन एग्रोटेक शामिल हैं।

जिन पांच केंद्रों पर जब्ती और सुपुर्दगी की कार्रवाई हुई, उनमें कुम्हालोरी का कृषि केंद्र, सुरगी का शिवशक्ति कृषि केंद्र, उपरवाह का साहू कृषि केंद्र, सिंगारपुर का छत्तीसगढ़ कृषि केंद्र और कोकपुर का साहू कृषि केंद्र शामिल हैं।

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने कहा कि बिना उचित प्रक्रिया के कीटनाशक बेचने, स्टॉक का सही संधारण न करने या नियमों का उल्लंघन करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी विक्रेताओं को निर्धारित दर पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री बेचने की हिदायत दी और बताया कि जिले में यह जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

दुष्कर्म का विरोध किया तो मारपीट करके दी जान से मारने की धमकी, कवर्धा पुलिस ने आरोपी को दबोचा

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। पीड़िता की शिकायत के बाद दुष्कर्म, मारपीट और धमकी के आरोप में कवर्धा महिला थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और जांच के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कवर्धा महिला थाना पुलिस ने दुष्कर्म, मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पप्पू सिंह ठाकुर, निवासी समनापुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को आदेशानुसार जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने 9 अगस्त को महिला थाना

कवर्धा पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पप्पू सिंह ठाकुर अप्रैल 2026 से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी द्वारा उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का भी आरोप है। इसके अलावा आरोपी पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

शिकायत मिलने के बाद महिला थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने संबंधित साक्ष्य जुटाए और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार जांच और पूछताछ के दौरान आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पूरी कार्रवाई कबीरधाम एसपी जितेंद्र कुमार यादव के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार और अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा डीएसपी प्रमिला मंडावी के दिशा-निर्देशन में महिला थाना पुलिस द्वारा की गई। पुलिस ने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफहोने वाले गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के प्रावधानों के अनुसार आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कार की सीट के पीछे बना रखा था गुप्त चेंबर 12.6 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर पकड़े गए

श्रीकंचनपथ समाचार

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ पुलिस ने एमपी-सीजी बॉर्डर पर नाकाबंदी के दौरान कार में छिपाकर ले जाया जा रहा 12.630 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने दो युवकों और एक नाबालिग बालक को पकड़ा है। कार, गांजा और तीन मोबाइल समेत 12.11 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की गई है।

एमपी-सीजी बॉर्डर स्थित चिल्फी से कार में गांजा लेकर जबलपुर जा रहे तीन लोगों को चिल्फी पुलिस ने पकड़ा है। आरोपियों ने पुलिस से बचने के लिए गांजा कार की ड्राइवर सीट के पीछे बनाए गए गुप्त चेंबर में छिपाकर रखा था। तलाशी में 12 पैकेटों में कुल 12.630 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा, कार और तीन मोबाइल समेत 12.11 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है।

थाना प्रभारी निरीक्षक बीरेन्द्र कुमार वर्मा के मुताबिक, 11 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हुंडई ऑरा कार में तीन लोग बड़ी मात्रा में गांजा लेकर कवर्धा-चिल्फी मार्ग से जबलपुर की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देकर चिल्फी थाना पुलिस ने थाने के सामने एनएच-30 मेन रोड पर नाकाबंदी कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए की कार वहां पहुंची। पुलिस ने कार रोककर उसमें सवार लोगों से पूछताछ की और वाहन की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान ड्राइवर सीट के पीछे बनाए गए गुप्त चेंबर का पता चला कि खाकी रंग के टेप से लिपटे 12 पैकेट गांजा मिले। पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स डिटेक्शन किट से प्राथमिक जांच की, जिसमें गांजा पॉजिटिव पाया गया। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से तौल करने पर कुल वजन 12.630 किलो निकला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मामले में हरिओम बंजारा (23), लेखराज बंजारा (21) और एक नाबालिग बालक को पकड़ा है। नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत अलग से कार्रवाई की जा रही है।

कार चालक ने युवक को रौंदा, सड़क पर घसीटा गंभीर रूप से घायल आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग के पुलगांव थाना क्षेत्र में कार सवार ने युवक को पहले ठोकर मारी और सड़क पर काफी दूर तक घसीटता रहा। युवक के दोस्तों ने किसी तरह कार रुकवाया और गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में दाखिल कराया। इधर कार से घसीटने वाला मौके से फरार हो गया। शिकायत के बाद पुलगांवं पुलिस ने अपराध दर्ज किया और आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की कार भी पुलिस ने जब्त कर ली। मामले में पुलिस ने धारा 109(1) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

मनीष गैरेज में काम करने वाला विजय वैष्णव अपने मित्र भुवनेश्वर निषाद एवं हरि निषाद के साथ पुलगांव चौक स्थित पान ठेला के पास खड़ा था। इसी दौरान राजनांदगांव की ओर से तेज गति से आ रही कार चालक द्वारा विजय वैष्णव को ठोकर मार दी गई। ठोकर लगने के बाद विजय वैष्णव एवं कार चालक के मध्य विवाद हुआ। कार चालक द्वारा वाहन से उतरकर विजय वैष्णव के साथ हाथ-थप्पड़ से मारपीट कर धमकी दी गई। इसके बाद विजय वैष्णव पैदल पोटिया की ओर जाने लगा।

इस पर कार चालक ने आक्रोश में आकर वैष्णव का का पीछा किया और पीछे से ठोकर मार दी। ठोकर मारने के बाद कार रोकने के बजाय पीड़ित को वाहन से घसीटते हुए पुलगांव चौक स्थित बालाजी स्वीट्स से काफी दूर तक ले जाया गया। पीड़ित के मित्रों द्वारा वाहन रोकने का प्रयास किया गया तथा कार चालक को वाहन रोकने के लिए कहा, लेकिन आरोपी द्वारा वाहन नहीं रोका गया और लगातार कार चलाते हुए पीड़ित को घसीटता रहा। इस दौरान पीड़ित को गंभीर चोटें आई तथा उसकी स्थिति काफी खराब हो गई। बाद में उसके मित्रों द्वारा आरोपी के वाहन को रुकवाकर पीड़ित को वाहन से छुड़ाया गया तथा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल में घायल के बयान के आधार पर पुलगांव पुलिस ने धारा 109(1) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों के कथन लिए गए तथा आरोपी एवं घटना में प्रयुक्त वाहन की पतासाजी की गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी वाहन स्वामी अजय कुमार गारूडीक को कार सहित पकड़ा गया। आरोपी का जिला अस्पताल दुर्ग में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, जिसमें चिकित्सक द्वारा शराब सेवन किए जाने का उल्लेख किया गया। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर आरोपी ने वैष्णव को वाहन से ठोकर मारने एवं काफी दूर तक घसीटने की घटना करना स्वीकार किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

उक्त कार्यवाही में थाना पुलगांव पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही, जिन्होंने घटना की रिपोर्ट प्राप्त होते ही अपराध पंजीबद्ध कर प्रार्थी एवं गवाहों के कथन लिए, आरोपी एवं घटना में प्रयुक्त वाहन की पतासाजी की तथा आरोपी को वाहन सहित पकड़कर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की।

घरेलू विवाद में बेटे ने सौतेली मां की पीट पीटकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

सक्ती। सक्ती जिले के बाराद्वार थाना क्षेत्र के ग्राम दूरपा में घरेलू विवाद के दौरान एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे की हालत में उसके सौतेले बेटे ने लकड़ी की बेड़ी से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के बाद महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

मृतिका की पहचान कौशिल्या सिदार के रूप में हुई है, जबकि आरोपी उसका सौतेला बेटा अनिल कुमार (38) है। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच घरेलू छोटी-छोटी बातों को लेकर अक्सर विवाद होता था।

घटना 10 अगस्त की शाम करीब 6:45 बजे की बताई जा रही है। घर में किसी बात को लेकर कौशिल्या और अनिल के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान अनिल ने कथित तौर पर घर में रखी लकड़ी की बेड़ी उठाकर

कौशिल्या पर हमला कर दिया। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन और आसपास के लोगों की मदद से महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलने के बाद बाराद्वार पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर कठोर और भारी वस्तु से प्रहार के कारण गंभीर चोट, हड्डियों में फ्रैक्चर तथा शरीर के अंदर अधिक रक्तस्राव होने की बात सामने आई। रिपोर्ट में शॉक के बाद सांस और हृदय गति रुकने से मौत होने का उल्लेख किया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर पुलिस ने अनिल कुमार के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही घटना में इस्तेमाल की गई लकड़ी की बेड़ी भी बरामद कर ली है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

युवक से लूटपाट: कॉल डिटेल से 8 माह बाद आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। शहर के पंप हाउस टंकी मैदान में 10 माह पहले पंप हाउस कॉलोनी निवासी अधिवेश बग्गा (23) से 3 बदमाशों ने मारपीट कर उसके मोबाइल फोन व गले में पहने चांदी की चेन की लूटपाट की थी। घटना की रिपोर्ट पर सीएसईबी चौकी में केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। लेकिन आरोपियों का सुराग नहीं मिल रहा था। करीब 10 माह बाद उक्त मोबाइल जैसे ही उपयोग में आया पुलिस को सुराग मिल गया। संदेह के आधार पर पुलिस ने ओमपुर (रजगामार) निवासी रमा रतन खैरवार (21) को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने साथी मुड़ापार निवासी रज्जाक अली (19) व प्रेम साहू के साथ अपराध करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त मोपेडे समेत लूट की रकम जब्त कर ली। वहीं लूटी गई मोबाइल प्रेम साहू के पास होना बताया गया जो फरार मिला। पुलिस ने मामले में पकड़े गए दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, वहीं फरार आरोपी प्रेम साहू की तलाश जारी है।

हरेली पर्व पर अवैध शराब कारोबार के खिलाफ भखारा पुलिस की कार्रवाई

धमतरी। हरेली पर्व के दौरान अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए धमतरी पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम कोपेडीह में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 5 प्रकरणों में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में कुल 62.700 लीटर अवैध शराब और 440 बिक्री रकम जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय के निर्देशन में जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान चार आरोपियों के कब्जे से कुल 60 लीटर हाथ भट्टी से निर्मित महुआ शराब बरामद की गई।

खास खबर

अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम से चुटकियों में मिल रहा राशन

रायपुर। कभी राशन लेने के लिए लंबी कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब सरकंडा में शुरू हुई अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम से राशन लेने की प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो रही है। चिंगराजपारा निवासी प्रीति बताती हैं कि मशीन के माध्यम से राशन मिलने से प्रक्रिया आसान हो गई है और तौल को लेकर भी किसी तरह की चिंता नहीं रहती। इसी तरह हितग्राही दुर्गेश बताते हैं कि ग्रेन एटीएम में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद स्क्रीन पर राशन की मात्रा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पुष्टि करने के बाद डिस्पेंसर के नीचे थैला रखते ही निर्धारित मात्रा में चावल सीधे थैले में भर जाता है।

30 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना, उत्साह का माहौल

खैरागढ़। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई से रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत 30 श्रद्धालुओं को आज सुबह 9:15 बजे जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। श्रद्धालु पहले बस के माध्यम से खैरागढ़ से राजनांदगांव पहुंचेंगे, जहां से वे विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से उनका श्रीराम के दर्शन करने का वर्षों पुराना सपना साकार हो रहा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रामभक्तों के लिए निःशुल्क अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम के दर्शन कराने हेतु रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले से चयनित श्रद्धालुओं को विशेष ट्रेन के माध्यम से अयोध्या ले जाया जा रहा है।

पुराने ट्यूब और बांस से बनाई अस्थायी नाव, रस्सी से खींचकर पार कर रहे 'ईब' की धार

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। जशपुर जिले के मनोरा विकासखंड की अलोरी ग्राम पंचायत में ग्रामीणों की जिंदगी इन दिनों एक अस्थायी नाव के सहारे चल रही है। नदी पर पुलिया नहीं होने के कारण मतलूँगा-अलोरी गांव के लोगों को इब नदी पार करने के लिए ट्रक की पुरानी ट्यूब और बांस से बनाई गई नाव का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

नदी के तेज बहाव के बीच दोनों किनारों पर बंधी रस्सी के सहारे इस नाव को खींचकर ग्रामीण एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुंचते हैं। हालात ऐसे हैं कि थोड़ी सी चूक या रस्सी टूटने पर बड़ा हादसा हो सकता है।

दरअसल, मतलूँगा और अलोरी गांव को जोड़ने वाली ईब नदी पर पुलिया का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है। ऐसे में नदी पार करना ग्रामीणों के लिए मजबूरी बन गया है। आवाजाही के लिए ग्रामीणों ने ट्रक की ट्यूब के ऊपर बांस बांधकर एक अस्थायी नाव तैयार कर ली है। इस नाव में एक बार में करीब पांच लोग बैठकर नदी पार करते हैं।

ग्रामीणों ने नाव को नदी के दोनों किनारों पर मजबूत रस्सियों से बांध रखा है। इन्हीं रस्सियों के सहारे नाव को खींचकर नदी पार कराई जाती है। बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने और बहाव तेज होने पर यह सफ़र और भी जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रोजमर्रा के काम, बाजार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए नदी पार करनी पड़ती है, इसलिए जोखिम के बावजूद इस अस्थायी नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। ईब नदी में पानी का बहाव तेज होने पर ट्यूब और बांस से बनी यह नाव कितनी सुरक्षित है, इसे लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है। यदि नाव का संतुलन बिगड़ जाए या दोनों किनारों को जोड़ने वाली रस्सी टूट जाए तो ग्रामीणों की जान खतरे में पड़ सकती है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए नदी पार करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से इब नदी पर निर्माणाधीन पुलिया का काम जल्द पूरा कराने की मांग की है।

स्वतंत्रता दिवस से पूर्व 100 युवा कलाकारों ने एक साथ लाइव बैंड पर दी प्रस्तुति

'आजादी की धुन' स्वाधीनता सेनानियों के बलिदान को स्मरण करने का सुनहरा अवसर : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर देशभक्ति के सुरों से गूंज उठी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित 'आजादी की धुन' समारोह में प्रदेश के अलग-अलग अंचलों से आए 100 युवा कलाकारों ने विभिन्न वाद्ययंत्रों के साथ एक साथ लाइव बैंड प्रस्तुति देकर देशभक्ति का अनुपम वातावरण निर्मित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय समारोह में शामिल हुए और युवा कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'आजादी की धुन' देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को स्मरण करने का सुनहरा अवसर है। 'आजादी की धुन' हमें इतिहास के गौरव का स्मरण, वर्तमान के कर्तव्यों का बोध और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प दिलाती है। छत्तीसगढ़ में पहली बार 100 युवा कलाकारों द्वारा एक साथ अलग-अलग वाद्ययंत्रों पर देशभक्ति की धुनों की प्रस्तुति अपने आप में अनूठा प्रयास है। उन्होंने इस अभिनव आयोजन के लिए संस्कृति विभाग और सभी कलाकारों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगीत में भावनाओं को जागृत करने और लोगों को एक सूत्र में जोड़ने की अद्भुत शक्ति होती है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी गीतों, कविताओं और नारों ने देशवासियों के भीतर स्वाधीनता की चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देशभक्ति के गीतों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में हमारे क्रांतिकारियों और सेनानियों का मनोबल बढ़ाया तथा करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता के लक्ष्य के लिए एकजुट किया। आज भी जब देशभक्ति की धुनें सुनाई देती हैं, तो मन में राष्ट्र के प्रति गर्व और समर्पण का भाव स्वतः जागृत हो उठता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों का स्मरण करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता हमें असंख्य बलिदानों के बाद प्राप्त हुई है। अनेक क्रांतिकारियों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए, हजारों सेनानियों ने कारावास की कठोर यातनाएं सहीं और लाखों देशवासियों ने अपना सर्वस्व राष्ट्र को समर्पित कर दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, वीर सावरकर, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित असंख्य राष्ट्रनायकों और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष ने स्वतंत्र भारत की नींव रखी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के गौरवशाली योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की धरती ने भी अनेक वीर सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने अन्याय और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया।

उन्होंने कहा, अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए ब्रिटिश शासन को चुनौती दी और मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। बस्तर के जननायक वीर गुण्डाधुर ने भूमकाल आंदोलन का नेतृत्व कर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आदिवासी समाज की आवाज बुलंद की। ऐसे महान सेनानियों का शौर्य और बलिदान छत्तीसगढ़ की गौरवशाली विरासत है।

हरेली पर इस साल हुई ड्रोन की भी पूजा, लगाया गया भोग

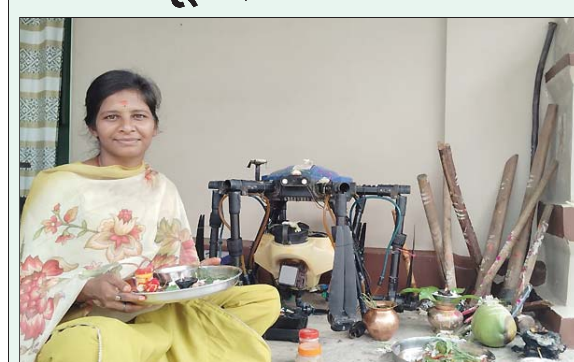

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति और आधुनिक कृषि तकनीक का अनूठा संगम इस बार हरेली तिहार पर बालोद जिले में देखने को मिला। सावन अमावस्या के पावन अवसर पर जहां किसानों ने अपनी परंपरा के अनुरूप हल, नांगर, कुदाली और फावड़े जैसे कृषि औजारों की पूजा कर अच्छी फसल और समृद्धि की कामना की, वहीं जिले की ड्रोन दीदियों ने आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन का धूप-दीप से पूजन कर उस पर पारंपरिक गुड़-चीला और नारियल का भोग अर्पित किया। इस अनूठे आयोजन ने हरेली की सदियों पुरानी परंपरा को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ते हुए बदलते छत्तीसगढ़ की नई तस्वीर प्रस्तुत की।

शासन की ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षित बालोद जिले की भुनेश्वरी साहू, चित्ररेखा साहू और रूचि साहू ने हरेली के अवसर पर ड्रोन की पूजा कर कृषि में तकनीकी बदलाव को नई पहचान दी। भुनेश्वरी साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति कृषि औजारों के सम्मान की परंपरा सिखाती है। आज के दौर में ड्रोन भी किसानों का आधुनिक साथी बन चुका है, जो फसलों में नैनो उर्वरक और कृषि दवाइयों का छिड़काव कम समय में कर सकता है।

ड्रोन दीदी चित्ररेखा ने बताया कि ड्रोन तकनीक ने कृषि कार्यों को अधिक आसान बनाया है। उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का संकल्प लिया। वहीं रूचि साहू ने कहा कि उनका सपना बालोद के हर खेत तक ड्रोन पहुंचाना है ताकि किसानों की मेहनत और लागत कम हो और कृषि कार्य समय पर पूरे हों।

जीजामगांव के नवीन आईटीआई में शुरू हुआ इलेक्ट्रिक व्हीकल मैकेनिक का पाठ्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नवीन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), जीजामगांव में सत्र 2026-27 से पहली बार मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल ट्रेड का प्रथम बैच प्रारंभ किया गया है। यह इस संस्था का भी पहला प्रशिक्षण सत्र होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में हो रहे तकनीकी बदलावों को देखते हुए यह ट्रेड युवाओं के लिए करियर की दृष्टि से बेहद अहम साबित होगा।

मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल दो वर्षीय पाठ्यक्रम है। इसमें प्रशिक्षणार्थियों को इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक के साथ-साथ बैटरी प्रबंधन प्रणाली, मोटर कंट्रोल, चार्जिंग सिस्टम, वाहन सर्विसिंग और फॉल्ट डायग्नोसिस जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक एवं उद्योग-आधारित प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्तमान में यह ट्रेड छत्तीसगढ़ के चुनिंदा 5 शासकीय आईटीआई संस्थानों में ही संचालित है, जिससे जीजामगांव आईटीआई में इसकी शुरुआत जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ई-व्हीकल के बढ़ते चलन से अधिकृत सर्विस सेंटरों, ई-व्हीकल निर्माण कंपनियों, चार्जिंग स्टेशनों और बैटरी से संबंधित सेवा इकाइयों में प्रशिक्षित तकनीशियनों की मांग तेजी से बढ़ेगी। इसके अलावा, प्रशिक्षित युवा खुद का सर्विस सेंटर या तकनीकी सेवा शुरू कर स्वरोजगार भी स्थापित कर सकेंगे।

जीजामगांव क्षेत्र में फॉरेस्ट पार्क, फूड पार्क सहित विभिन्न विकास एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाल ही में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने नवीन आईटीआई भवन के लिए चिह्नित भूमि का निरीक्षण भी किया था। जिला धमतरी की नोडल संस्था शासकीय आईटीआई कुरूद के प्राचार्य योगेश देवांगन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए इस नवीन ट्रेड में प्रवेश लें।

यह होगी प्रवेश प्रक्रिया

आईटीआई में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसके बाद मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई कुरूद से संपर्क किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 23 सितंबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ग्राम करेली बड़ी में आयोजित समारोह में जिले के लिए 83 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की घोषणा की थी।

हरेली पर्व पर तीन गांवों को मिला जल अर्पण हस्तांतरण प्रमाण पत्र

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। हरेली के खास अवसर पर विकासखंड मरवाही के तीन ग्राम पंचायतों को जल अर्पण हस्तांतरण प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डोंगरिया के ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय 'हरित जीपीएम एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन/नल-जल योजना के अंतर्गत जिले के तीन ग्रामों—नेवसा, चुकतीपानी और लालपुर—को जल अर्पण हस्तांतरण प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक एवं मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रणव कुमार मरपच्ची तथा कलेक्टर विजय दयाराम के. की उपस्थिति में मुख्य अतिथि के हाथों इन ग्रामों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण तथा जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

अमृत सरोवरों के तट पर मनेगा स्वतंत्रता दिवस, जांजगीर चांपा में होंगे खास आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। स्वतंत्रता दिवस 2026 को जांजगीर-चांपा जिले में राष्ट्रप्रेम के साथ प्रकृति एवं जल संरक्षण के संदेश से जोड़ते हुए विशेष रूप से मनाया जाएगा। शासन के निर्देशानुसार जिले की ग्राम पंचायतों में 15 अगस्त को अमृत सरोवरों के तट पर मनरेगा श्रमिकों के द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

अमृत सरोवरों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन सरोवरों के तट पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से मनरेगा श्रमिकों के माध्यम से ग्रामीणों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के साथ ही सामुदायिक भागीदारी और सतत आजीविका गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

समारोह के दौरान ध्वजारोहण, तिरंगा यात्रा, अमृत सरोवर परिसर में वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम, देशभक्ति गीत, नुक्कड़ नाटक, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को जनभागीदारी और सामाजिक सरोकारों से जोड़ा जाएगा।

अमृत सरोवर स्थलों पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिवार के सदस्यों अथवा पुरस्कार विजेताओं और ग्राम पंचायत के विशिष्ट नागरिकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ का प्रथम लोकपर्व, बिखरी लोकसंस्कृति की छटा

हरेली पर मुख्यमंत्री निवास में गेड़ी, बिल्लस, गोटा-बांटी की मची धूम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, कृषि संस्कृति और ग्रामीण जीवन की आत्मा माने जाने वाले प्रथम पर्व हरेली का भव्य और सांस्कृतिक गरिमा से भरपूर आयोजन नया रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में उत्साहपूर्वक किया गया। आयोजन ने राजधानी में छत्तीसगढ़ के गांवों की सोंधी खुशबू और पारंपरिक जीवन शैली को साकार कर दिया।

मुख्यमंत्री निवास परिसर को नीम और आम के पत्तों, गेंदे के फूलों तथा पारंपरिक ग्रामीण सजावट से विशेष रूप से सजाया गया था। प्रवेश द्वार से लेकर मुख्य परिसर तक छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक दिखाई दे रही थी। हरियाली, प्राकृतिक सजावट और लोक अलंकरण ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

हरेली पर्व के अवसर पर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों का विशेष आकर्षण देखने को मिला। गेड़ी दौड़ ने लोगों में रोमांच और उत्साह भर दिया, वहीं बिल्लस, गोटी और बाटी जैसे ग्रामीण खेलों ने बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। इन खेलों के माध्यम से नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक खेल संस्कृति से परिचित कराने का संदेश भी दिया गया।

आयोजन में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध चारों ओर फैल रही थी। ठेठरी, खुरमी, बड़ा सहित अनेक पारंपरिक पकवानों का स्वाद लोगों ने उत्साहपूर्वक लिया। ग्रामीण अंचलों में विशेष अवसरों पर बनाए जाने वाले इन व्यंजनों ने लोगों को अपने गांव और पारिवारिक उत्सवों की याद दिला दी।

लोक कलाकारों ने छत्तीसगढ़ी लोकगीत और लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। मांदर, ढोलक और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर कलाकार झूमते नजर आए। लोकधुनों पर उपस्थित जनसमूह भी तालियां बजाते और उत्साह से सहभागी बनते दिखाई दिए। आयोजन में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और लोक कला की समृद्ध परंपरा का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ।

कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण रहचुली रहा, जिसका आनंद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी ने लिया। ग्रामीण मेलों और पारंपरिक उत्सवों की पहचान मानी जाने वाली रहचुली ने आयोजन में गांव के मेले जैसा आनंदमय वातावरण बना दिया।

हरेली पर्व मूलतः कृषि और प्रकृति से जुड़ा उत्सव है। इस दिन किसान अपने कृषि औजारों की पूजा कर अच्छी फसल और समृद्धि की कामना करते हैं। मुख्यमंत्री निवास में आयोजित इस कार्यक्रम ने हरेली को केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक अस्मिता, कृषि परंपरा और सांस्कृतिक गौरव के उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया।

नया रायपुर में आयोजित यह भव्य आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि छत्तीसगढ़ अपनी आधुनिक विकास यात्रा के साथ-साथ अपनी लोक संस्कृति, पारंपरिक खेलों, खानपान और ग्रामीण विरासत को भी समान सम्मान और संरक्षण दे रहा है। हरेली महोत्सव ने राजधानी में उपस्थित लोगों को छत्तीसगढ़ की मिट्टी, हरियाली और लोक जीवन से गहराई से जोड़ने का कार्य किया।

'गज संकेत' ऐप पर मिलेगा हाथियों का लाइव लोकेशन

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर वन परिक्षेत्र मरवाही में हाथी संरक्षण, हाथी-मानव द्वंद्व की रोकथाम एवं जन-जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर विजय दयाराम के., वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत, वन सभापति राधा रैदास सहित जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं हाथी मित्र दल के सदस्य उपस्थित रहे। विगत वर्षों में हाथियों के कारण जनहानि से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें जिला प्रशासन एवं वन विभाग की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया। प्रभावित परिवारों को रोजगार एवं आजीविका के साधनों से जोड़ने तथा मुआवजा राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की बात कही गई। कलेक्टर ने कहा कि मानव और हाथी दोनों की सुरक्षा प्रशासन एवं वन विभाग की प्राथमिकता है। हाथी-मानव द्वंद्व की रोकथाम के लिए प्रशासन, वन विभाग, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से हाथियों की उपस्थिति की सूचना तत्काल वन विभाग को देने तथा हाथियों के नजदीक जाने या उन्हें परेशान करने से बचने की अपील की। वनमंडलाधिकारी ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी एवं गश्त की जा रही है। उन्होंने हाथी-मानव द्वंद्व की रोकथाम के लिए ग्रामीणों से सतर्कता बरतने और वन विभाग का सहयोग करने की अपील की।

- हाथी मित्र दल को मिला टी-शर्ट और टॉर्च

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950